READ INDIA

नई शिक्षा नीति
पर आधारित

मधुलिका

हिन्दी पाठ्य पुस्तक

Teacher's Manual

Class I to V

Written by :

Author's Team

(Vidyalaya Prakashan)

READ INDIA

An Imprint of Vidyalaya Prakashan

An ISO 9001 : 2008 Certified Co.

NEW DELHI

INDEX

Sl. No.	Book Name	Page No.
1.	मधुलिका हिंदी पाठ्य पुस्तक – I	3
2.	मधुलिका हिंदी पाठ्य पुस्तक – II	14
3.	मधुलिका हिंदी पाठ्य पुस्तक – III	24
4.	मधुलिका हिंदी पाठ्य पुस्तक – IV	49
5.	मधुलिका हिंदी पाठ्य पुस्तक – V	58

मधुलिका हिन्दी पाठ्य पुस्तक - I

पाठ - 1 पुनरावृत्ति

चित्र देखकर शब्द लिखिए :

नमक	रथ	कटहल	गज	टमटम
मगर	अचकन	धन	अदरक	बरगद
शलगम	कलश			

पाठ - 2 आ (ा) की मात्रा

1. क. (स) ख. (ब) ग. (ब) घ. (स) ङ. (स)

2. नव - नाव पन - पान
   कल - काल चय - चाय
   बल - बाल खट - खाट
   बत - बात अज - आज

3. (क) मटर, सड़क, शरबत, नल
   (ख) कार, लाल, आग

4. स्वंय करें।

पाठ - 3 इ (ि) की मात्रा

1. क. (ब) ख. (ब) ग. (स)
2. बनिया, बिटिया, निकिता, गिटार, चिड़िया, डिबिया
3. (क) दिन निकल आया।
   (ख) सवाल कपिल ने लिखा।
   (ग) किरन ने सितार बजाया।
   (घ) कनिका फिसल गई।
   (ङ) रवि, कविता, सविता तथा विनिता पिकनिक पर गए।
4. (क) दिन निकल आया।
   (ख) किरन सितार बजा।
   (ग) कनिका फिसल गई।
   (घ) पिकनिक पर चिड़िया व हिरन दिखा।

5. बिल, सिर, मिल,
   पिन, दिन, पिक,
   बिन, हिल, गिर

पाठ - 4 ई (ी) की मात्रा

1. क. ( )   ख. (ब)
2. (क) कील   (ख) बीन   (ग) पीस   (घ) हील
3. (क) गीता के घर पहली बार गीता की नानी आयी।
   (ख) नानी हरी सब्जी, खीरा तथा लीची लाई।
   (ग) नीलम की मामी ने नीलम के लिए चटनी दी।
   (घ) सीता वीणा बजाकर नाची।
4. स्वयं करें।

पाठ - 5 उ (ु) की मात्रा

1. सुबह, बुलबुल, गुलाब, मुरली, फुलवारी, पुजारी
2. (क) मुकुल सुबह-सुबह उठा।
   (ख) पुल पार फुलवारी थी।
   (ग) बुलबुल गा रही थी।
   (घ) मधुर-मधुर मुरली की धुन सुन।
3. धन - धुन, चन - चुन
   पल - पुल पत्र - पुत्र
   उत्तर लिखिए-
   (क) सुबह-सुबह मुकुल उठा।
   (ख) फुलवारी महक रही थी।
   (ग) साधु के वचन सुन।
   (घ) सुधा गुलाब जामुन लाई।

पाठ - 6 ऊ (ू) की मात्रा

1. भख - भूख   दध - दूध
   मली - मूली   भाल - भालू
   तराज - तराजू   धप - धूप

2. स्वंय करें।

3. (क) सूरज निकल आया।

   (ख) जूही भूखी थी।

   (ग) जूही झूला झूलना चाहती थी।

4. दूध, चूहा, झूला

पाठ - 7 ऋ (ृ) की मात्रा

1. चिड़िया वृक्ष पर बैठी हैं।

   कृषक खेत में हल चलाता है।

   मृग भाग रहा था।

2. वृषभ, नृप, वृक्ष, गृह, मृग, कृषक

पाठ - 8 ए (े) तथा ऐ (ै) की मात्रा

1. (क) जब - जेब (ख) महश - महेश

   (ग) बसरा - बसेरा (घ) बर - बेर

   (ङ) महादव - महादेव (च) गुरुदव - गुरुदेव

2. जेठ, जेल, जेवर

   महादेव, शनिदेव, जगदेव राजदेव

3. (क) शैली के पिता का नाम हैदर है।

   (ख) फैजाबाद से एक गवैया आया।

   (ग) वैभव बहुत शैतान लड़का है।

   (घ) शैली के पिता एक सैनिक हैं।

   (ङ) गवैया नैनीताल घूमा।

4. (क) सदव - सदैव (ख) डकत - डकैत

   (ग) ततया - ततैया (घ) मदान - मैदान

   (ङ) शतान - शैतान (च) बलगाड़ी - बैलगाड़ी

5. (क) शैली का परिवार नैनीताल में रहता है।

   (ख) वैभव शैतान लड़का है।

   (ग) गवैया शैली के साथ नैनीताल घूमा।

   (घ) गवैया शैली के घर आया।

6. मला	मेला	मैला
बल	बेल	बैल
बर	बेर	बैर
पर	पेर	पैर

पाठ - 9 ओ (ो) और औ (ौ) की मात्रा

1. क. (ब) ख. (अ) ग. (स)
2. होश, चोर, शोर, धोखा, ढोलक, भोजन
3. (क) मोर नाचता है।
   (ख) भोर हो गई।
   (ग) जोकर ढोल बजाता हैं
   (घ) मौसी ने कचौड़ी बनाई।
   (ङ) गौरव का भाई फौजी है।
4. (क) गौरव जौनपुर में रहता था।
   (ख) मौसी ने उनके खाने के लिए पकौड़ी और कचौड़ी बनायी।
   (ग) फौजी जौनपुर घूमने जाना चाहता था।
   (घ) मौसम खराब था।
   (ङ) पेड़ पर कोयल और तोता रहते थे।
   (च) मोची परेशान था।
   (छ) जोकर ने ढोल बजाया।
5. ओ की मात्रा के शब्द :
   चोर, मोर, ओस, गोल, ढोल,
   औ की मात्रा के शब्द:
   पौधा, नौका, दौड़ मौसी, कचौड़ी

पाठ - 10 अं (ं) की मात्रा

1. क. (अ), ख. (ब)
2. स्वयं करें।
3. (क) सब मंगलवार के दिन जंगल गये।
   (ख) जंगल में लंगूर तथा बंदर और रंग-बिरंगे फूल देखे।

(ग) कंचन ने गंगा की वंदना की।

(घ) लंगूर तथा बंदर पेड़ों पर कूद रहे थे।

पाठ - 11 अँ (ँ) तथा अः (:)

1. तितली - तितलियाँ बिल्ली - बिल्लियाँ

   बाँसुरी - बाँसुरियाँ पंखुड़ी - पंखुड़ियाँ

2. (क) दस बजे से पहले उठ जाओ। (ख) नमः नमः कर मन को शुद्ध बनाओ।

   (ग) शनैः शनैः अभ्यास करो। (घ) दुख-सुख का अहसास करो।

पाठ - 12 (रेफ ं और पदेन ्र) की मात्रा

1. पर्वत, ट्रेन, सूर्य, नर्स, आम्र, नर्तक

2. धम - धर्म दशन - दर्शन

   पतिज्ञा - प्रतिज्ञा भमण - भ्रमण

   चक - चक्र सूय - सूर्य

3. (क) सूर्य पूर्व दिशा से निकलता है।

   (ख) सूर्य की धूप में गर्मी होती है।

   (ग) प्रशांत क्रिकेट खेलता है।

   (घ) हर्ष पार्क में जाता है।

   (ङ) प्रज्ञा, प्रदीप की बहन है।

चित्रकथा - धोबी का गधा

1. क. (ब) ख. (अ), (स) ग. (स)

2. (क) गोपी एक धोबी था।

   (ख) धोबी ने अचानक एक मरा हुआ बाघ देखा।

   (ग) उसने अपने गधे को बाघ के रूप में बदलने का सोचा।

   (घ) किसान और उसके आदमी अपने खेत में बाघ देखकर डर गए।

3. (क) (✗), (ख) (✗), (ग) (✓), (घ) (✗)

4. (क) कमजोर, (ख) शुक्रिया, (ग) भयानक, (घ) असहाय

पाठ - 13 गर्मियों की छुट्टियाँ

1. क. (ब) ख. (स) ग. (ब)

2. (क) रवि नानी के घर जा रहा था।
   (ख) माँ ने अटैची में कपड़े डाले।
   (ग) थोड़ी देर में रेल आ गई।
   (घ) रवि रेल में खिड़की के पास बैठा।
3. (क) रवि गर्मियों की छुट्टियों में नानी के घर गया।
   (ख) रवि के साथ उसकी माँ थीं।
   (ग) रेल से उतरकर रवि ताँगे में बैठा।
   (घ) प्लेटफॉर्म पर बहुत भीड़ थी।
   (ङ) घोड़ा पैरों से टप्-टप् की आवाज़ करता है।
4. स्वयं करें।

पाठ - 14 फूल की सीख

1. गुलाब, सदाबहार, सूरजमुखी
2. फूल - धूल   डाल - गाल
   कैसे - जैसे   खिलते - मिलते
3. स्वयं करें।   4. स्वयं करें।
5. (क) फूल पौधों की डाली (टहनी) पर खिलता है।
   (ख) फूल हमें हँसते और हँसाते हैं।
   (ग) हँसते गाते पल जीवन के मीठे फल बन जाते हैं।

किससे क्या सीखते हो?

सूरज - सूरज से हमें सुबह जल्दी उठने की शिक्षा मिलती है।

धरती - धरती से हमें धैर्य की शिक्षा मिलती है।

पेड़-पौधे - पेड़-पौधे हमें उदार होने की शिक्षा देते हैं।

पाठ - 15 मक्खी का लालच

1. क. (ब)   ख. (स)   ग. (ब)
2. (क) असत्य, (ख) सत्य, (ग) असत्य, (घ) सत्य
3. (क) व्यापारी के हाथ से शहद गिर गया था।
   (ख) मक्खियों को मीठा-मीठा शहद अच्छा लगा।
   (ग) मक्खियों के पंख शहद में चिपक गए।
   (घ) व्यापारी को मक्खियाँ लालची लगीं।

पाठ - 16 क्यों

1. क. (ब)   ख. (ब)   ग. (स)
2. (क) चंदा ये चमकीला क्यों?
   (ख) सूरज ये भड़कीला क्यों?
   (ग) नींबू का रंग पीला क्यों?
   (घ) ऐसी ये होशियार क्यों?
3. स्वयं करें।
4. (क) बच्चों का मन बातों में लगता है।
   (ख) गप्पों पर पहरेदारी होती है।
   (ग) पढ़ने की लाचारी होती है।
   (घ) सभी लोग टोका-टाकी करते हैं।
5. (क) चमकीला   (ख) नीला
   (ग) भड़कीला   (घ) सजीला
   (ङ) पीला   (च) प्यारी

पाठ - 17 हरी-भरी धरती

1. क. (स)   ख. (अ)   ग. (ब)   घ. (ब)
2. (क) छोटे से बीज से ही पौधा निकलता है।
   (ख) यह सब प्रकृति का जादू है।
   (ग) इनके बिना तो हमारा जीवन चल ही नहीं सकता।
   (घ) ये हमारे सच्चे साथी हैं।
3. (क) सुमेश ने अपने अध्यापक जी से पूछा कि गमलों में इतने सुंदर फूल कैसे खिल जाते हैं।
   (ख) पेड़-पौधे ऑक्सीजन बाहर छोड़ते हैं।
   (ग) अगर धरती पर पेड़-पौधे न हों तो यह सूनी प्रतीत होगी।
   (घ) प्राणियों के साँस छोड़ने-लेने से हवा अशुद्ध हो जाती है।
   (ङ) पेड़-पौधों से हमें फल, सब्जी, अनाज व औषधि प्राप्त होती है।
   (च) पेड़-पौधे हमारे सच्चे मित्र हैं।
4. (क) थैला   (ख) बच्चे
   (ग) बोतलें   (घ) पत्ता

भाषा की बात

लिंग बदलिए

माता	-	पिता	सिंह	-	सिंहनी
मोर	-	मोरनी	चोर	-	चोरनी
दादा	-	दादी	चाचा	-	चाची
मामा	-	मामी	लड़का	-	लड़की

पाठ - 18 सीख

1. बुरा न देखो, बुरा न सुनो, बुरा न बोलो
2. स्वयं करें।

पाठ - 19 अकबर-बीरबल की पहली मुलाकात

1. क. (अ) ख. (स) ग. (स)
2. (क) अकबर अपने समय के बहुत अच्छे घुड़सवार और शिकारी कहलाए।
   (ख) कुछ दूर जाने पर उन्हें एक तिराहा नजर आया।
   (ग) राजा ने कड़कती आवाज में पूछा, ''ऐ लड़के, आगरा के लिए कौन-सी सड़की जाती है?''
   (घ) लड़के का नाम महेश दास था।
3. (क) (✗), (ख) (✓), (ग) (✓), (घ) (✗)
4. (क) घुड़सवार (ख) बीरबल (ग) रास्ता
   (घ) हकलाए (ङ) भविष्य

पाठ - 20 बहस का अंत

1. क. (स) ख. (अ) ग. (ब) घ. (स)
2. (क) पेट का काम है भोजन को पचाना।
   (ख) दाँत खाना चबाने का काम करते हैं।
   (ग) अंगों को दिमाग की बात उचित लगी।
   (घ) सभी अंगों का अलग-अलग काम है।
3. (क) शरीर के अंग बहस कर रहे थे कि उनका काम सबसे अधिक जरूरी है।
   (ख) जीभ को खाना, पीना और बोलना काम करने होते हैं।
   (ग) दाँत का कार्य भोजन चबाना था।
   (घ) पेट ने अपने काम की विशेषता बताई कि वह भोजन पचाता है।

4. (क) जीभ, (ख) पेट, (ग) दिमाग, (घ) पेट

भाषा की बात

आँख, नाक, कान, दाँत, जीभ, पैर, हाथ, सिर, मुँह, पेट।

पाठ - 21 दीपावली

1. क. (अ) ख. (ब) ग. (स)
2. (क) हिंदुओं का मुख्य त्योहार दीपावली है।
   (ख) दीपावली कार्तिक माह में मनाई जाती है।
   (ग) दीपावली पर लोग अपने घरों में साफ़-सफ़ाई और रंग-रोगन करवाते हैं। रिश्तेदारों को उपहार देते हैं। रात को सब लोग लक्ष्मी पूजन करके पटाखे चलाते हैं।
   (घ) दीपावली मनाने का प्रमुख कारण है कि इस दिन राम जी असुर रावण का वध करके चौदह वर्ष बाद अपना वनवास पूरा करके अयोध्या लौटे थे। राम जी के अयोध्या लौटने की खुशी में पूरे अयोध्या में देसी घी के दिए जलाये गए थे।
3. (क) (✗), (ख) (✓), (ग) (✓), (ग) (✓)
4. (क) दीपावली, (ख) कैलेंडर, (ग) रंगोली,
   (घ) अयोध्या, (ङ) पूजन

   भाषा की बात

   बालक सो रहा है। बालक रो रहा है। बालक खेल रहा है।

पाठ - 22 परी का उपहार

1. क. (अ) ख. (अ) ग. (अ) घ. (अ) ङ. (अ)
2. (क) परी को बच्चों के साथ खेलना बहुत पसंद था।
   (ख) परी ने भोलू से कहा कि मेरा घर बहुत दूर है।
   (ग) भोलू भोला-भाला था।
   (घ) उपहार पाकर भोलू बहुत पछताया।
   (ङ) उपहार देकर परी नाराज हो गयी।
3. (क) (✓), (ख) (✗), (ग) (✓), (घ) (✓), (ङ) (✗), (क) (✓)
4. (क) परी को बच्चों के साथ खेलना बहुत पसंद था।
   (ख) भोलू बगीचे में परी को अपने मित्रों की बातें सुनाता था।

(ग) भोलू को मोनू ने यह कहकर बहकाया कि परी उसकी मित्र नहीं हैं। यदि होती तो उसे कुछ उपहार अवश्य देती।

(घ) परी ने भोलू को एक चमकीला लट्टू दिया, जिसमें अत्यंत सुंदर मोती जड़े हुए थे।

भाषा की बात

(क) कल मैंने जूते पालिश किए। (ख) मेरे दादा जी आए हैं।

(ग) अरे! वह कहाँ चला गया? (घ) उसने क्या कहा?

(ङ) आप इधर बैठिए।

उच्च स्तरीय बौद्धिक कौशल

भोलू से परी के नाराज होने का कारण यह था कि परी भोलू को अपना सच्चा मित्र मानती थी परंतु भोलू ने परी से उपहार मांगकर उसे नाराज कर दिया, क्यों कि सच्चे मित्रों में उपहारों का लेन-देन नहीं होता।

पाठ - 23 मिठाइयों की सभा

1. क. (स) ख. (अ) ग. (स) घ. (स)
2. (क) एक दिन मिठाइयों की सभा हुई।
   (ख) चाउमीन तो पेट को पकड़ कर खराब कर देती है।
   (ग) बच्चे नहीं जानते कि मिठाइयाँ तो खुशी का प्रतीक हैं।
   (घ) लोग फिर से हमारा महत्त्व समझेंगे।
3. (क) बरफी, (ख) रसमलाई, (ग) लड्डू
4. (क) बरफी की बहन रसमलाई थी।
   (ख) पेस्ट्री में अंडा मिला होता है।
   (ग) लड्डू ने मायूसी से कहा कि ''जब से लोग दिखावे के चक्कर में आ गये हैं, मुझे वे अपनी खुशियों में कम शामिल करते हैं। मैं इसी गम में छुपता फिरता हूँ।''
   (घ) चाउमीन पेट को जकड़कर खराब कर देती है।
   (ङ) फास्टफूड में केक, चाउमीन, पेस्ट्री, कोल्डड्रिंक, बर्गर, पिज्जा आदि वस्तुएँ होती हैं।
5.

(क)		(ख)
(क) मायूसी	१.	निराशा
(ख) प्रतीक	२.	निशानी
(ग) महत्त्व	३.	विशेषता

(घ) समस्या	४. परेशानी
(ङ) दिखावा	५. झूठी शान
(च) दीवाने	६. बहुत अधिक चाहना

रचनात्मक कार्य

खट्टा	**मीठा**	**नमकीन**
नींबू	जलेबी	बिरयानी
इमली	लड्डू	पकौड़े

पाठ - 24 चिड़िया

1. स्वयं करों
2. (क) चिड़िया के चार बच्चे थे।
   (ख) उत्तर, दक्षिण, पूरब, पश्चिम।

मधुलिका हिन्दी पाठ्य पुस्तक - II

पाठ - 1 भालू की पूँछ

1. क. (ब), ख. (ब), ग. (ब)
2. (क) बर्फ़, (ख) जमने, (ग) पूँछ, (घ) पूँछ
3. (क) जंगल के जानवर अपने-अपने घरों में छिपे बैठे थे।
   (ख) एस्किमो अपनी स्लेज पर बहुत-सी मछलियाँ ले जा रहा था।
   (ग) झील का पानी जमकर बर्फ़ हो गया था।
   (घ) भालू ने शिकारी कुत्तों की आवाज़ सुनी।
4. (क) भालू ने गीदड़ से कहा।
   (ख) गीदड़ ने भालू से कहा।
   (ग) गीदड़ ने भालू से कहा।
5. (क) घोड़े की पूँछ लंबी होती हैं।
   (ख) चिड़िया का एक पंख टूट गया।
   (ग) एस्किमो स्लेज पर सामान ले जा रहे थे।
   (घ) नदी में बहुत सारी मछलियाँ हैं।

भाषा की बात

मछलियाँ	एस्किमो	कुत्ते	गाड़ियाँ
पंख	चिड़ियाँ	गुठलियाँ	पुस्तकें

पाठ - 2 स्वास्थ्य अनमोल होता है

1. क. (अ) ख. (अ) ग. (ब) घ. (स)
2. (क) पेट (ख) नाखूनों (ग) प्यार (घ) अनमोल
3. (क) घर के सभी लोग चिंतित थे क्योंकि रश्मि के पेट में जोरों से दर्द था।
   (ख) रश्मि के हाथों के नाखून बढ़े हुए और गंदे थे।
   (ग) रश्मि के पेट दर्द का कारण उसके नाखूनों में भरी मैल थी जो कि खाने के साथ उसके पेट में पहुँच रही थी।
   (घ) स्वस्थ रहने के लिए हमें अपने पूरे शरीर व आस-पास की स्वस्छता पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होती है।
4. (क) हमें अपने आस-पास स्वच्छता रखनी चाहिए।
   (ख) हमें प्रतिदिन नहाना चाहिए।
   (ग) हर्ष की मम्मी गुस्से में उतावली हो जाती है।

(घ) लापरवाही से कोई भी दुर्घटना हो सकती है।

(ङ) हमें संकट के समय समझदारी से काम लेना चाहिए।

भाषा की बात

(क) 4, (ख) 3, (ग) 2, (घ) 1

शब्द निर्माण

लाचारी, दु:खी बीमारी, दुकानदारी, गरीबी, ख़ुशी, अमीरी

रचनात्मक गतिविधि

साबुन, झाड़ू, टूथब्रश, पोंछा, तौलिया, पानी

जीवन कौशल

वह स्वच्छता जो हमारे शरीर की देखभाल से संबंध रखती है, व्यक्तिगत स्वच्छता कहलाती है। हमें व्यक्तिगत स्वच्छता को हमेशा अच्छा बनाये रखना चाहिए। यह प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में बहुत ही महत्त्वपूर्ण है। व्यक्तिगत स्वच्छता के लिए हमें रोज नहाना, स्वच्छ कपड़े पहनना, दांतों की सफाई करना, नाखून काटना आदि शामिल है। स्वस्थ रहना अच्छा जीवन जीने के लिए जरूरी है। व्यक्तिगत स्वच्छता को बनाए रखने के साथ-साथ हमें अपने वातावरण और घर के आस-पास भी स्वच्छता बनाए रखनी चाहिए।

पाठ - 3 सैर

1. क. (अ) ख. (अ) ग. (स)
2. (क) टहलना, (ख) डोरी, (ग) चाँद-सितारे, (घ) बैर
3. (क) सत्य, (ख) सत्य, (ग) सत्य, (घ) असत्य
4. (क) कविता में तारों से हाल-चाल पूछने के लिए कहा गया है।

   (ख) इस कविता में कवयित्री आसमान में घूमने की बात कर रही है।

   (ग) संसार में कवयित्री प्यार के फूल बिखेरना चाहती है।

   (घ) कवयित्री ने आँगन में पालना लटकाने की बात कही है।

भाषा की बात

(क) 6, (ख) 4, (ग) 5, (घ) 3,

(ङ) 2, (च) 1

पाठ - 4 राजा का प्रश्न

1. क. (अ) ख. (ब) ग. (अ)
2. (क) मनमानी, (ख) न्यायप्रिय, (ग) प्रशंसा,

3. (क) रीमा हर बात पर बहस करना अपनी शान समझती है।
   (ख) गरीब की झोपड़ी धूँ-धूँ कर जल उठी।
   (ग) खेल दिवस पर सभी ने हमारे विद्यालय की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

4. (क) रानी मनमानी करने में अपनी शान समझती थी।
   (ख) रानी ने अपनी दासियों को गरीब लोगों की झोंपड़ियों को जला देने का आदेश दिया।
   (ग) रानी ने राजा को गरीब लोगों की झोंपड़ियों के बदले उनकी कीमत देने को कहा।
   (घ) रानी को महल से जाना पड़ा क्योंकि राजा ने रानी को आदेश दिया कि वह कुछ मेहनत-मजदूरी करे और अपनी मेहनत से कमाए धन से गरीबों की झोंपड़ियाँ बनवाकर दें।
   (ङ) राजा ने गरीब लोगों के साथ उचित न्याय किया इसलिए लोगों ने राजा की प्रशंसा की।

5. (क) 3, (ख) 4, (ग) 1, (घ) 5, (ङ) 2

भाषा की बात

1. दासियाँ रानियाँ
   झोपड़ियाँ गर्मियाँ
   मनमानियँ सर्दियाँ

2. बुद्धि वृद्ध
   द्वेष द्वारा
   ग्वालिन
   म्यान सौम्य

पाठ - 5 चिट्ठी की आत्मकथा

1. क. (अ) ख. (ब) ग. (अ) घ. (अ)

2. (क) नाजुक, (ख) उपयोगी, (ग) कलम, (घ) थकान भूल

3. (क) चिट्ठी के माध्यम से हमारे प्रियजनों तक हमारी खैर-खबर पहुँचती है।
   (ख) टेलीफोन और मोबाइल चलन से चिट्ठियों का महत्त्व कम हो गया है।
   (ग) चिट्ठियाँ डाकखाने से प्राप्त की जाती हैं।
   (घ) यदि किसी ने प्यार से चिट्ठी लिखी है तो ऐसी चिट्ठियाँ सँभालकर रखी जाती हैं।

4. (क) 5, (ख) 3, (ग) 4, (घ) 1, (ङ) 2

5. (क) सुखी-स्वस्थ (ख) मामूली, (ग) खास
   (घ) चलनसार होना (ङ) नासमझ

भाषा की बात

(क) बाहर (ख) सफेद (ग) भारी (घ) ज्यादा

पाठ - 6 सदा कहना मानो

1. क. (अ) ख. (ब) ग. (स) घ. (अ)
2. (क) शरारती (ख) जेबखर्च (ग) अजनबी (घ) टेलीविजन
3. (क) सुमन का भाई जिद्दी तथा शरारती था।
   (ख) ललित को अजनबी व्यक्ति ने बहुत-सी चॉकलेट और टॉफियों से भरा एक सुनहरा पैकेट दिया।
   (ग) सुमन ने ललित को समझाया कि किसी अजनबी व्यक्ति से कोई उपहार यूँ ही स्वीकार नहीं करना चाहिए। कोई भी हमें धोखे से नुकसान पहुँचा सकता है।
   (घ) टेलीविजन पर बच्चों के अपहरण का समाचार सुनकर ललित को अपनी भूल समझ में आयी।
   (ङ) बची हुयी चॉकलेटों को ललित ने फेंक दिया क्योंकि उसे समझ में आ गया था कि हमें अजनबी व्यक्तियों से कुछ भी लेकर नहीं खाना चाहिए।

भाषा की बात

1. अविश्वास — धीरे से
   कड़वी — घृणा, नफरत
   संक्षेप — हँसना
   संतोष — मूर्ख
2. (क) नीला — (क) जरा
   (ख) पीला — (ख) चरा
   (ग) ढीला — (ग) हरा
   (घ) फीका — (घ) भरा

जीवन कौशल

1. बिलकुल नहीं जाएँगे।

पाठ - 7 मीठी वाणी

1. क. ( ) ख. (ब) ग. (अ) घ. (अ)

2. (क) दोष, सबमें, (ख) दिल, संकट में

3. (क) 3, (ख) 1, (ग) 5, (घ) 2, (ङ) 4

4. (क) कोयल जब बोलती है तब ऐसा लगता है कि कोई हमारे कानों में रस घोल रहा है।

(ख) हमें कभी भी किसी के दोषों को नहीं देखना चाहिए।

(ग) हम सबसे मीठा बोलकर दूसरों का दिल जीत सकते हैं।

(घ) कवि ने सबसे बड़ा उपहार यही बताया है कि हम सबसे मीठा बोलें।

पाठ - 8 अधपकी खिचड़ी

1. क. (ब) ख. (स) ग. (ब) घ. (अ)

2. (क) खिचड़ी, (ख) भाषा, (ग) वाणी, (घ) अतिथि

3. (क) भूख लगने पर क्रोधी व्यक्ति टूटे-फूटे मकान में गया।

(ख) वृद्धा खिचड़ी पका रही थी।

(ग) क्रोधी व्यक्ति की कड़वी बातों से वृद्धा नाराज़ हो गयी।

(घ) नाराज़ वृद्धा ने अधपकी खिचड़ी को क्रोधी व्यक्ति के कपड़ों पर पलट दिया तथा तथा उसका अपमान करके घर से भगा दिया।

(ङ) क्रोधी व्यक्ति ने अपने कपड़ों से बहते पदार्थ के बारे में बताया कि यह उसकी वाणी का रस है।

4. (क) शांत व्यक्ति, (ख) क्रोधी व्यक्ति (ग) क्रोधी व्यक्ति

5. (क) प्रयास, (ख) विनम्र (ग) भाग्य

6. (क) पास, निकट, (ख) नम्र स्वभाव का,

(ग) सब्र, सहनशीलता, (घ) कोशिश

(ङ) मेहमान, (च) धैर्य

भाषा की बात

(क) को (ख) के, में (ग) ने (घ) में

(ङ) को (च) की

पाठ - 9 संसार की खुशहाली

1. (क) (ब), (ख) (अ), (ग) (स), (घ) (ब)

2. (क) सूरज, (ख) हरियाली, (ग) मतवाली, (घ) निराली,

(ङ) सदा

4. (क) तितली डाली-डाली घूमती रहती है।

(ख) प्राय: काल का रूप सुनहरा होता है।

(ग) संसार को देखकर अपार अचरज होता है।

(घ) मोर की चाल मतवाली होती है।

(ङ) इस संसार को देखकर अनुभव होता है कि संसार बहुत सुंदर है।

5. डाली - हरियाली निराली - खुशहाली

संसार - अपार मतवाली - निराली

सूची बनाओ-

1.	कोयल	चिड़िया	तोता
2.	आम	नीम	पीपल
3.	सूरज	पक्षी	तितली
4.	तारे	चाँद	चमगादड़

मिलान करो-

ईश्वर	ईश्वर
मनुष्य	ईश्वर
ईश्वर	मनुष्य
ईश्वर	ईश्वर
ईश्वर	मनुष्य
मनुष्य	मनुष्य

पाठ - 10 बंदर की दुकान

1. क. (स), ख. (ब) ग. (अ) घ. (अ)
2. (क) टाई , (ख) मालिश, (ग) कंजूस, (घ) पर्स
3. (क) बंदर ने बंदरिया से कहा।

   (ख) बंदरिया ने कहा।

   (ग) बंदरिया ने बंदर से कहा।

   (घ) बंदर ने बंदरिया से कहा।
4. (क) जंगल में जानवरों को सामान खरीदने के लिए शहर जाना पड़ता था।

   (ख) बंदर की दुकान पर सुंदर-सुंदर कपड़े, श्रृंगार का सामान, ऊँची ऐड़ी वाली चप्पलें, साड़ियाँ आदि थे।

   (ग) चिड़िया प्लास्टिक का जार खरीदना चाहती थी ताकि वह अपना दाना व अनाज उसमें सँभालकर रख सके।

   (घ) बंदरिया ने बंदर से नेल पॉलिश, क्रीम, पाउडर, साड़ी और ऊँची ऐड़ी

वाली चप्पलें माँगी।

(ङ) सज-धजकर जाते समय ऊँची एड़ी की चप्पल से अचानक बंदरिया का पैर मुड़ गया।

5. स्वयं करो।

भाषा की बात

संज्ञा-	माला	मोहन	टोकरी	तुषार
सर्वनाम -	हमारी	तुम	मैं	मेरा

रचनात्मक गतिविधि

क्रीम	पाउडर	पर्स	कपड़े
साड़ियाँ	तेल	चप्पलें	

पाठ - 11 ईमानदारी का फल

1. क. (ब) ख. (ब) ग. (स) घ. (ब)
2. (क) परिणाम, (ख) गमला, (ग) पौधा, (घ) मुरझा, (ङ) प्रशंसा
3. खुशी-खुशी, अपना-अपना, एक-एक
4. (क) 4, (ख) 1, (ग) 2, (घ) 5, (ङ) 3
5. (क) प्रथम और द्‌वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्‌यार्थियों को अध्यापिका ने पुरस्कार दिया।

   (ख) सभी बच्चे उत्तीर्ण हो गये थे, किंतु उन्हें पुरस्कार नहीं मिला यही उनकी उदासी का कारण था।

   (ग) सोनू के गमले का पौधा नहीं उगा क्योंकि उसने उसमें बहुत सारा पानी डाल दिया था।

   (घ) नीता ने पौधा उगाने की तरकीब अपनी माताजी से सीखी थी।

   (ङ) अध्यापिका ने रोहित को समझाया कि सदा अपनी बुद्‌धि व परिश्रम का प्रयोग ही सच्ची सफलता देता है।

   (च) घर लौटते समय नीता के हाथ में मैडल था।

भाषा की बात

1. बौनों, बेलों, घोड़ों, सदस्यों, पुस्तकों
2. ड - दंडित, खंडित, पंडित, ड़ - घोड़ा, थोड़ा, लड़ाई

   ढ - ढक्कन, ढपली ढ़ - चढ़ता, पढ़

पाठ - 12 सबका पालनहार है पानी

1. (क) राहत, प्राणी, (ख) हरियाली, जीवों, (ग) आएगा, पानी

पाठ - 13 भगवान सब जगह है

1. क. (ब) ख. (अ) ग. (स) घ. (ब)
2. (क) ईश्वर, (ख) बालक, (ग) दूध, (घ) पुजारी
3. (क) बालक, सेवकों, (ख) पुजारी, सम्राट अकबर,
   (ग) सम्राट अकबर, बालक (घ) सम्राट अकबर, पुजारी
4. (क) सम्राट अकबर को भाँति-भाँति के प्रश्न पूछने में बड़ा आनंद आता था।
   (ख) अकबर ने पुजारी से प्रश्न किया कि क्या ईश्वर है।
   (ग) दरबार में पहुँचकर पुजारी के बालक ने दूध के लिए मचलना शुरू किया।
   (घ) अकबर ने बालक को समझाया कि बताशे दूध में हैं जरूर किंतु वे उसमें घुल चुके हैं। अब उन्हें निकालकर नहीं दिखाया जा सकता।
   (ङ) बालक का उत्तर सुनकर अकबर लज्जित हुए।
5. (क) राजा का दरबार, (ख) किसी बात को फिर से बोलना
   (ग) अलग-अलग, (घ) खुशी
   (ङ) सजा (च) परेशानी
   (छ) सुशीलता (ज) शर्मिंदा

भाषा की बात

1. नृप, नरेश रोज़, नित्य
   पंडित, उपासक बेटा, सुत
2. (क) सम्राट, (ख) ईश्वर, (ग) प्राणदंड, (घ) विश्वास

रचनात्मक गतिविधि

मीठी	कड़वी/तीखी	नमकीन
बरफी,	औषधि, नीम,	समोसे
गुलाबजामुन,	करेला, मिरची,	चिप्स, भुजिया

पाठ - 14 सबका हो कल्याण

1. क. (अ) ख. (ब) ग. (स) घ. (अ)
2. (क) दु:ख देने, कतराते, (ख) विष भी है और अमृत भी,
   (ग) अपने कर्मों का, (घ) अपना और इस जग का

3. (क) सत्य, (ख) सत्य, (ग) असत्य, (घ) असत्य, (ङ) असत्य

4. (क) जो लोग सभी को सुख देते हैं, वे सभी को अच्छे लगते हैं।
   (ख) दु:ख देने वालों से लोग कतराते हैं और दूर भागते हैं।
   (ग) हमारे पास संसार को देने के लिए दया और प्रेम है।
   (घ) हमारे शुभ कार्यों से संसार का कल्याण होगा।
   (ङ) मच्छर भुन-भुन की आवाज़ निकालते हैं।
   (च) संसार में यह नियम अटल है कि सभी को अपने कर्मों का फल मिलता है।

5. चुन-चुन, झुन-झुन, सुन-सुन, मुन-मुन

भाषा की बात

पत्ता, गत्ता पत्थर, उत्थान बच्चा, कच्चा

रचनात्मक गतिविधि

(क) (✗), (ख) (✓), (ग) (✓), (घ) (✓)

पाठ - 15 लड़कियाँ बहादुर होती हैं

1. क. (अ) ख. (ब) ग. (अ) घ. (ब)

2. (क) लड़कियाँ, (ख) आज़ाद, (ग) खट्टे, (घ) संकेतों,
   (ङ) रानी लक्ष्मीबाई

3. (क) मिनी ने कहा, (ख) नितिन ने कहा,
   (ग) मिनी की माँ ने कहा, (घ) मिनी ने कहा

4. (क) नितिन ने मिनी को यह कहकर हाथी पर बैठने से मना किया कि हाथी पर केवल बहादुर लड़के और राजा ही बैठ सकते हैं। उसके जैसी डरपोक व कमजोर लड़की नहीं।
   (ख) हमारे देश को अंग्रेज़ों ने गुलाम बनाया था।
   (ग) अंग्रेज़ चालाक थे।
   (घ) अंग्रेजों से युद्ध के दौरान रानी लक्ष्मीबाई का घोड़ा एक जगह अड़ गया और इतने में अंग्रेज सिपाहियों ने उन्हें घेरकर वार पर वार किए।
   (ङ) हमें रानी लक्ष्मीबाई जैसा बनने के लिए निडर और परिश्रमी जैसे गुण अपनाने चाहिए तथा सदा सच्चे व्यक्ति का साथ देना चाहिए।

5. (क) 5, (ख) 4, (ग) 2, (घ) 1, (ङ) 3

भाषा की बात

(क) बलिदान देना, (ख) हरा देना, (ग) मृत्यु होना

पाठ - 16 पकवानों की खुशबू

1. क. (स)   ख. (अ)   ग. (अ)
2. ठाठ,   दही-भल्ले,   भरोसे
3. (क) मजे,   (ख) खीर,   (ग) पकवानों,   (घ) चटोरे
4.

हलवाई	*चाटवाला*	*बेकरी वाला*
जलेबी	गोलगप्पे	पेस्ट्री
रसगुल्ले	समोसे	चॉकलेट
रबड़ी	दही-बड़े	केक
इमरती	आलू की टिक्की	टॉफी

5. (क) बच्चे को लगता है कि हलवाई मन भरकर मिठाई खाता होगा।
   (ख) बच्चे को चाट वाले के बड़े ठाठ जान पड़ते है क्योंकि उसको लगता है कि चाटवाले का जितना मन है वह उतनी चाट खा सकता है।
   (ग) माँ बच्चे को ज्यादा खाने नहीं देती क्योंकि माँ को लगता है कि ज्यादा खाने से बदहजमी हो जायेगी।
   (घ) बच्चा पकवानों की खुशबू सूँघकर खाने को मजबूर हो जाता है।
   (ङ) माँ बच्चे को चटोरा कहकर चिढ़ाती है।
6. (क) रसगुल्ले भूरे-भूरे होते हैं।
   (ख) लड्डू गोल तथा पीले होते हैं।
   (ग) खीर मीठी होती है।
   (घ) कहती बड़े चटोरे हो, नन्हें से तो छोरे हो।
   (ङ) माना उनकी बात सही पर मैं भी मजबूर हूँ।
7. जलेबी,   रबड़ी,   चमचम,   रसगुल्ले,   लड्डू,   रसमलाई,
   इमरती,   बरफी

पाठ - 17 होली का त्योहार

1. क. (अ)   ख. (ब)   ग. (स)   घ. (ब)   ङ. (अ)
2. (क) उठ,   (ख) टोली,   (ग) मिठाई,   (घ) रेडियो
3. (क) प्रदीप होली के दिन अपने मित्रों के घर गया।
   (ख) सुमित नल से गुब्बारों में पानी भर रहा था।
   (ग) रास्ते में मिलने वाले मित्रों को पहचानना कठिन था क्योंकि सबके चेहरों पर रंग लगा हुआ था।
   (घ) रेडियो पर होली के गीत बज रहे थे।

4. (क) 2, (ख) 3, (ग) 4, (घ) 1

5. दशहरा, कन्यापूजन, ईद की नमाज, करवाचौथ

भाषा की बात

बल - तल, जल, कल, हल

सभी - जभी, कभी, तभी

तारे - सारे, हारे

अरबी - चरबी, सरदी, फरबी

घोड़ा - जोड़ा, मोड़ा, कोड़ा, रोड़ा

रचनात्मक गतिविधि

सुमित, सुरेश, नरेश

मधुलिका हिन्दी पाठ्य पुस्तक - III

पाठ - 1 दृढ़ निश्चयी ध्रुव

1. क. (ब) ख. (अ) ग. (ब) घ. (स)
2. (क) अपमान, (ख) गोद, (ग) कठिन, (घ) विधि
3. (क) दूसरी रानी ने राजा से कहा
   (ख) ध्रुव ने अपनी माँ से कहा
   (ग) ध्रुव की माँ ने ध्रुव से कहा
   (घ) महर्षि नारद ने ध्रुव से कहा
4. (क) (iv), (ख) (v), (ग) (i), (घ) (ii), (ङ) (iii)
5. (क) ध्रुव को उसकी सौतेली माँ के कहने पर राजा ने गोद से उतार दिया।
   (ख) ध्रुव ने ईश्वर की गोद में बैठने का निश्चय किया।
   (ग) ध्रुव की माँ ने उसे समझाया कि ईश्वर को पाना सहज काम नहीं है। इसके लिये बड़ी कठिन तपस्या करनी पड़ती है। बड़े-बड़े मुनि व योगी अनेक वर्षों तक साधना करते हैं, तब जाकर हजारों लाखों में से किसी एक योगी या भक्त को ईश्वर की प्राप्ति होती है।
   (घ) नारद ने ध्रुव को भक्ति मार्ग का उपदेश दिया।
   (ङ) ईश्वर ने ध्रुव को अपने पास आकाश में स्थान दिया।

भाषा की बात

1. (क) तारे, (ख) रानियाँ, (ग) महल, (घ) राज सिंहासन
2. (क) पक्का, धक्का, (ख) स्तर, स्तंभ,
   (ग) हिम्मत, अम्मा (घ) गत्ता, पत्ता

पाठ - 2 तुम बोलो मीठे बोल

1. क. (अ) ख. (द) ग. (द)
2. (क) गॉठ, (ख) वाणी की, (ग) ठंडक, (घ) लुभावने
3. (क) (iv), (ख) (iii), (ग) (i), (घ) (v), (ङ) (ii)
4. (क) असत्य, (ख) सत्य, (ग) सत्य, (घ) सत्य
5. (क) मीठा बोलने से किसी के मन में हमारे लिए कोई भी नाराजगी नहीं रहती और बड़ी-से-बड़ी मुश्किल भी मीठा बोलने से खत्म हो जाती है।
   (ख) सबसे अच्छी वाणी मीठी वाणी होती है।
   (ग) मीठी बोली सबको शीतलता पहुँचाती है।
   (घ) नहीं, कटु बोलने वाले व्यक्ति हमें पसंद नहीं है।

भाषा की बात

1. जाता - पाता, सुनोगे - बुनोगे,
   मन- धन, सपने - अपने
2. (क) मच्छर, स्वच्छ (ख) मक्खी, मक्खन

रचनात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें-

पाठ - 3 हरे-भरे वृक्ष

1. क. (अ) ख. (द) ग. (ब)
2. (क) पक्षी, (ख) राहत, (ग) वृक्ष, (घ) हरियाली
3. (क) सत्य, (ख) सत्य, (ग) सत्य, (घ) सत्य, (ङ) सत्य
4. (क) (iii), (ख) (v), (ग) (iv), (घ) (i), (ङ) (ii)
5. (क) पेड़ के नीचे बैठने पर ताज़गी का अनुभव उसके द्वारा छोड़ी गई ऑक्सीजन के कारण होता है।

   (ख) शहरों में नयी-नयी इमारतों को बनाने तथा घरों व अन्य संस्थानों में फर्नीचर आदि के निर्माण के लिये लकड़ी की आवश्यकता होती है जिसके लिए हरे-भरे वृक्षों को काट दिया जाता है।

   (ग) वृक्षों के बिना संसार नीरस लगेगा।

   (घ) हरियाली बढ़ाने के लिए हमें अपने-अपने घरों में व आस-पास पेड़-पौधे लगाने चाहिए और उनकी सुरक्षा करनी चाहिए।

भाषा की बात

1. मूर्ख, शत्रुता,
   अंधकार, सरदी,
   अशांति, अनावश्यकता,
   सुलभ, कम
2. लकड़ियाँ, बकरियाँ,
   बच्चें, मालाएँ
   पौधे, मंडलियाँ,
   डालें, रानियाँ
   हड्डियाँ, लकड़हारे

रचनात्मक गतिविधि

1. ( )

2. 1. पेड़ हमारी प्रकृति को सुंदर और संतुलित बनाए रखते हैं।
   2. पेड़ों से हमें लकड़ी मिलती है जिससे हम खिड़की-दरवाजे, फर्नीचर आदि बनाते हैं।
   3. पेड़-पौधों पर पक्षी घोसला बनाकर रहते हैं।
   4. पेड़ हमें प्रदूषण से बचाते हैं।
   5. पेड़ों से हमें ऑक्सीजन प्राप्त होती है, जोकि हमारे जीवन के लिए बहुत ज़रूरी है।

पाठ - 4 ऋतुराज

1. (क) इस कविता में बसंत ऋतु का वर्णन है।
   (ख) फागुन में नभ गुलाल जैसा लाल लगता है।
   (ग) सब ऋतुराज अर्थात बसंत ऋतु पर बलिहारी हो जाते हैं।
   (घ) वर्षा, ग्रीष्म (गर्मी), शीत (सर्दी), बसंत, शरद तथा हेमंत ऋतु।
2. (क) (ii), (ख) (i), (ग) (iv), (घ) (iii)
3. कोकिला - श्यामा
   आसमान - गगन
   सुमन - पुष्प
   अनोखी - अद्‌भुत

रचनात्मक गतिविधि

मेरा प्यारा पक्षी मोर है। मोर भारत का राष्ट्रीय पक्षी है। इसके पंख बड़े व रंग-बिरंगे होते हैं। यह अपने पंख फैलाकर आकर्षक नृत्य करता है। इसका प्रिय भोजन अनाज के दाने, कोमल तने व पत्ते, कीड़े, साँप, छिपकली आदि हैं। मोर घने पेड़ों वाले इलाके में रहते हैं।

पाठ - 5 बगीचे का मालिक

1. क. (द) ख. (स) ग. (स) घ. (ब)
2. (क) चादर, (ख) खुश, (ग) बसंत, (घ) बंद
3. (क) सत्य, (ख) सत्य, (ग) सत्य, (घ) असत्य, (ङ) सत्य
4. (क) ऋतुराज बसंत के मौसम को कहते हैं।
   (ख) बगीचे में आड़ू के पेड़ थे।
   (ग) आड़ू के पेड़ वाले बगीचे में कुछ पेड़ सदा सिर उठाए खड़े रहते थे। ऋतुराज बसंत के आते ही बगीचा फूलों से लद जाता। कुछ दिन बाद वे

फूल; फल बन जाते।

(घ) डरावने आदमी ने बच्चों को बगीचे में आने से रोकने के लिए बगीचे के चारों ओर पक्की दीवार बना दी।

(ङ) बसंत ऋतु में डरावने आदमी के बगीचे में फूल तो लगे पर उसमें वीरानी छायी रही। चिड़ियों का चहकना और भँवरों का गुनगुनाना भी सुनाई नहीं पड़ा। सर्दियों में उस इलाके में इतनी बर्फ गिरी कि पेड़-पौधे ठंड से मुरझा गए। अगले साल भी उस डरावने आदमी के बगीचे में बहार नहीं आई और न ही आड़ू के पेड़ों में फूल लगे।

(च) अंत में बगीचे के मालिक को अपनी भूल का अहसास हुआ। वह बच्चों के साथ खेलने लगा तथा बची हुई दीवार को भी अपने हाथों से गिरा दिया।

भाषा की बात

1. (क) (iv), (ख) (vii), (ग) (v), (घ) (vi), (ङ) (iii), (च) (ii), (छ) (i)
2. वाक्यांशों के लिए एक-एक शब्द लिखिए-
   (क) मांसाहारी, (ख) अनाथ, (ग) फुटपाथ, (घ) हवाई जहाज, (ङ) अमर
3. समान अर्थवाले शब्द पर (✓) लगाओ-
   (क) गगन, (ख) पेड़, (ग) भूमि, (घ) सुमन, (ङ) गुलशन

रचनात्मक गतिविधि

1. नीम, बरगद, पीपल, आम, अशोक

पाठ - 6 अन्न का महत्तव

1. क. (ब) ख. (अ) ग. (द) घ. (ब)
2. (क) स्वास्थ्य, (ख) निरादर, (ग) ग्लानि, (घ) अपराधी
3. (क) (iii), (ख) (iv), (ग) (ii), (घ) (i)
4. (क) सत्य, (ख) सत्य, (ग) सत्य, (घ) सत्य
5. (क) लौकी की सब्जी देखकर सोनू ने थाली को झटका देकर दूर खिसका दिया।
   (ख) सोनू बिगड़ैल लड़का था। वह हर बात में नखरे दिखाता था।
   (ग) महरी अपनी बासी रोटियाँ लेने आयी थी।
   (घ) कमला ने बासी रोटी को चूमकर सिर माथे से लगाया।

(ङ) अंत में सोनू ने निश्चय किया कि अब कभी वह अन्न का निरादर नहीं करेगा।

6. (क) बिगड़ा हुआ, (ख) अपमान, (ग) नफ़रत,
(घ) अकेला, (ङ) अपमान, (च) सलाह,
(छ) नाराज होना (ज) माफी, (झ) असर

भाषा की बात

1. अपमान, अन्न, कार्य, परिवार, हरकतों
2. जननी, माता बेइज़्ज़ती, निरादर बेटा, सुत

रचनात्मक गतिविधि

गेहूँ	**चावल**	**मैदा**
रोटी,	खिचड़ी,	समोसे
पूड़ी,	पुलाव,	भठूरे
दलिया,	खीर,	चाउमीन

पाठ - 7 दयालु हाथी

1. क. (अ) ख. (अ) ग. (स) घ. (ब)
2. (क) निर्धन, (ख) अधिक, (ग) औषधि, (घ) दया
3. (क) निर्धन व्यक्ति ने सफेद हाथी से कहा।
(ख) सफेद हाथी ने निर्धन व्यक्ति से कहा।
(ग) हाथी ने निर्धन व्यक्ति से कहा।
(घ) निर्धन व्यक्ति ने हाथी से कहा।
4. (क) (iv), (ख) (v), (ग) (i), (घ) (ii), (ङ) (iii)
5. (क) हाथी बहुत दयालु स्वभाव का था। किसी को कष्ट में देखकर वह उसकी तुरंत सहायता करने को तैयार रहता था।
(ख) हाथी ने निर्धन व्यक्ति को अपनी पीठ पर बिठाकर जंगल पार करवाया और वृक्षों से फल तोड़कर खाने का अवसर भी दिया।
(ग) निर्धन व्यक्ति ने धन को अंधाधुंध खर्च कर डाला।
(घ) निर्धन व्यक्ति ने धनवान बनने के लिए हाथी से उसका दाँत माँगा।
(ङ) लालची व्यक्ति अंत में गड्ढे में गिर गया। यह गड्ढ़ा शिकारियों ने हाथी के लिए खोदा था और वह लालची आदमी उसमें गिरकर मर गया।

भाषा की बात

1. महोदय, बलशाली, सर्वोदय, भाग्यशाली

2. (क) राम सीढ़ी पर चढ़ रहा है।
   (ख) यह गेंद है।
   (ग) पाठशाला की घंटी बज रही है।
   (घ) दिल्ली भारत की राजधानी है।
   (ङ) सना की गुड़िया अच्छी है।

रचनात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें।

पाठ - 8 महात्मा बुद्ध

1. क. (ब)   ख. (ब)   ग. (स)   घ. (अ)
2. (क) प्रसन्न, (ख) बूढ़ा आदमी, (ग) महात्मा बुद्ध, (घ)लाभ
3. (क) सत्य, (ख) सत्य, (ग) असत्य, (घ) सत्य, (ङ) सत्य
4. (क) दास-दासियाँ सिद्धार्थ की सेवा में हमेशा जुटे रहते। कोई उनके रास्तों में फूल बिछाता, कोई उन्हें हँसाता, कोई उन्हें गीत सुनाता, कोई उन्हें उनकी रुचि का भोजन करवाता आदि।
   (ख) तपस्या के द्वारा सिद्धार्थ ने जाना कि सभी दु:खों से छुटकारा संभव है। इसके लिए धर्म का पालन व ज्ञान की साधना करनी पड़ेगी।
   (ग) सिद्धार्थ ने धर्म पालन के निम्नलिखित सिद्धांत बताए-
      1. सदा अपने परिश्रम से धन कमाएँ
      2. कभी चोरी न करें
      3. मन, वचन व कर्म से किसी प्राणी को दु:ख न पहुँचाएँ
      4. झूठ न बोलें।
   (घ) बौद्ध धर्म भारत, चीन, बर्मा, जापान, आदि देशों में फैला है।

भाषा की बात

1. (क) राजा, (ख) राजपुत्र, (ग) राजपुत्री,
   (घ) राजमंत्री, (ङ) राजसिंहासन, (च) राजगद्दी
2. (क) (vi), (ख) (vii), (ग) (iv), (घ) (ii), (ङ) (i),
   (च) (iii), (छ) (v)
3. व्यक्तिवाचक संज्ञा - कपिलवस्तु, शुद्धोधन, सिद्धार्थ, महात्मा बुद्ध, भारत, चीन, बर्मा, जापान।

   जातिवाचक संज्ञा - नगरी, राजा, पुत्र, दास-दासियाँ, फूल, भोजन, राजकुमार, महल, अनुयायी, देशों।

रचनात्मक गतिविधि

1. महात्मा बुद्ध का जन्म कपिलवस्तु के निकट लुंबिनी में हुआ था।
2. महात्मा बुद्ध के बचपन का नाम सिद्धार्थ था।
3. महात्मा बुद्ध के जन्म के सात दिनों बाद ही इनकी माँ की मृत्यु हो गयी थी।
4. 26 वर्ष की आयु में सिद्धार्थ ज्ञान की खोज में निकल पड़े थे।
5. महात्मा बुद्ध को बैशाखी पूर्णिमा के दिन बिहार के गया में एक पीपल वृक्ष के नीचे ज्ञान प्राप्त हुआ था।

पाठ - 9 क्रिकेट टीम

1. क. (स) ख. (ब) ग. (ब)
2. (क) चूहे राजा आउट हो गए क्योंकि गेंद बिल्ली फेंक रही थी और चूहा बिल्ली से डर गया।
   (ख) बंदर ने पहला ओवर बिल्ली से करवाया क्योंकि उसने चूहे को आउट करने के लिए यह तरीका अपनाया था।
   (ग) बंदर को क्रिकेट के दाँव पेच की पहचान थी।

पाठ - 10 सर्दी का मौसम

1. क. (अ) ख. (अ) ग. (ब) घ. (ब)
2. (क) सर्दी, (ख) खिल, (ग) बदलते, (घ) दाँत
3. (क) सत्य, (ख) असत्य, (ग) सत्य, (घ) सत्य
4. (क) सर्दी में लोग मूंगफली, रेवड़ी, गजक आदि खाने का आनंद लेते है।
   (ख) हमारे देश में मुख्य रूप से चार मौसम पाए जाते हैं - सर्दी, गर्मी, बरसात तथा पतझड़।
   (ग) सर्दी के मौसम में मटर, गोभी, पालक, गाजर, मूली, सरसों का साग आदि सब्जियाँ बहुत अधिक मात्रा में मिलती हैं।
   (घ) सर्दी के प्रति लापरवाही दिखाने पर लोग बीमार पड़ जाते हैं और उन्हें खाँसी, बुखार आदि हो जाते हैं।

भाषा की बात

1. (क) (iii), (ख) (iv), (ग) (v), (घ) (ii), (ङ) (i)
2. (क) प्रमुख, (ख) इंतजार, (ग) महीना, (घ) खुशी,
   (ङ) दाँतों के स्पर्श से आवाज़, (च) समूह (छ) ठंड से काँपना,
   (ज) छुप (झ) मौसम (ञ) पूरा साल

3. (क) मैं कल मुम्बई जाऊँगा।
   (ख) तुम कब आए?
   (ग) हम खेल रहे हैं।
   (घ) बाहर कौन खड़ा है?
   (ङ) कोई रो रहा है।

पाठ - 11 गाँव और शहर

1. क. (अ)   ख. (अ)   ग. (द)
2. (क) गाँवों का, (ख) साधन, (ग) बढ़ती, (घ) आमदनी
3. (क) सत्य, (ख) सत्य, (ग) असत्य, (घ) सत्य, (ङ) असत्य
4. (क) शोर-शराबा शहरों में अधिक होता है।
   (ख) तेज ध्वनियों के लगातार बजने से लोगों के स्वास्थ्य पर घातक प्रभाव पड़ता है।
   (ग) बिना शोर के चलने वाले यातायात के साधन साइकिल, रिक्शा, बैलगाड़ी तथा ताँगा हैं।
   (घ) गाँवों में आमदनी का मुख्य साधन खेती होता है।
   (ङ) शहरों में मनोरंजन के साधन क्रीड़ा-गृह, सिनेमा, नाटक-गृह आदि हैं।

भाषा की बात

1. (क) मैं परिवार में तीसरी संतान थी।
   (ख) मैंने पक्का निश्चय कर लिया था।
   (ग) तुम पक्की पर्वतीय लड़की हो।
   (घ) मैं रंगीन तंबू में थी।
2. (क) (iv), (ख) (v), (ग) (vi), (घ) (vii), (ङ) (iii),
   (च) (ii), (छ) (i)

पाठ - 12 अगर सुबह भी अलसा जाए

1. स्वयं कीजिए।
2. (क) गुलाब के पौधे की कलियाँ खिल आयी हैं।
   (ख) अंधकार होते ही पक्षी अपने घोसलें में चले जाते हैं।
   (ग) चिड़ियाँ दाना चुग रही हैं।

(घ) प्रातः होते ही मंदिर से घंटी की आवाज़ आनी शुरू हो गई।

(ङ) मेहनत करने वाले छात्र सदैव सफल होते हैं।

3. छात्र स्वयं करें।

रचनात्मक गतिविधि

1. सूरज एक तारा है; इसे सूर्य भी कहते हैं।
2. सूरज आग का एक बहुत बड़ा गोला है।
3. यदि सूरज नहीं होता तो पृथ्वी पर प्रकाश नहीं होता।
4. सूरज पूर्व दिशा से निकलता है।
5. सूरज की रोशनी से हमें 'विटामिन-डी' मिलता है।

पाठ - 13 लापरवाही की सजा

1. क. (अ) ख. (अ) ग. (अ) घ. (अ)
2. (क) फेंक, (ख) मजा, (ग) खून, (घ) पास
3. (क) दाँत ने कीटाणु से कहा।
   (ख) डॉक्टर ने बच्चे से कहा।
   (ग) बच्चे ने डॉक्टर से कहा।
   (घ) कीटाणु ने दाँत से कहा।
4. (क) (ii), (ख) (i), (ग) (iv), (घ) (iii)
5. (क) सत्य, (ख) असत्य, (ग) सत्य, (घ) सत्य, (ङ) सत्य
6. (क) दाँत कीटाणुओं से भयभीत था क्योंकि दाँत को लग रहा था कि कीटाणु उसकी सफेदी पर पीले-काले धब्बे डाल जाएँगे।
   (ख) कीटाणुओं ने दाँत में गड्ढा कर दिया था, जिससे कि दाँत बुरी तरह से सड़ गया था।
   (ग) कीटाणु बच्चे की लापरवाही के कारण मुँह में घुस आये थे।
   (घ) अंत में दाँत सड़ गया था। और डॉक्टर को उसे निकालना पड़ा।

भाषा की बात

1. (क) तुम, (ख) वह, (ग) मैं, (घ) वे, (ङ) वह
   (च) मैं, (छ) तू
2. (क) नरम (✗) उसकी गया (✗) तुमने
   (ख) वह तुम बालक (✗) हम
   (ग) पुस्तक (✗) हमारी मुझे तुम्हारे

रचनात्मक गतिविधि

(क) दाँत वाले पशु/पक्षी - गाय, शेर, कुत्ता, हाथी।

बिना दाँत वाले पशु/पक्षी - तोता, पैंगोलिन, नीली व्हेल, चिड़िया।

(ख) दाँतों की देखभाल करना बहुत आवश्यक है। हमें दाँतों की सुरक्षा के लिए सही ब्रुश का इस्तेमाल करना चाहिए। ब्रुश करते समय दाँतों को ज्यादा रगड़ना नहीं चाहिए। हमें प्रतिदिन कम-से-कम दो बार ब्रुश या दातुन करनी चाहिए तथा खाना खाने के बाद कुल्ला करना चाहिए। हमें चॉकलेट, टॉफियाँ, ठंडे पेय तथा मिठाइयाँ भी कम खानी चाहिए क्योंकि ये हमारे दाँत सड़ाते हैं।

पाठ - 14 हाजिरजवाब बीरबल

1. क. (अ)   ख. (अ)   ग. (ब)   घ. (अ)
2. (क) गर्मी,   (ख) खाली,   (ग) छिलके,   (घ) अगल-बगल
3. (क) अकबर ने बीरबल से कहा।

   (ख) बीरबल ने अकबर से कहा।

   (ग) अकबर ने बीरबल से कहा।

   (घ) अकबर ने बीरबल से कहा।
4. (क) आम खाने के पश्चात् अकबर ने बीरबल को छेड़ते हुए कहा, ''अरे! तुम बड़े पेटू हो, सारे आम खा गये। किसी के लिये तुमने कुछ भी नहीं छोड़ा... देखो, तुम्हारे आगे कितना बड़ा ढेर लगा है?... हमारी थाली तो बिल्कुल खाली है।''

   (ख) अकबर को बीरबल को छेड़ने में आनंद आता था।

   (ग) बीरबल ने अकबर के आरोप का उत्तर देते हुए उन्हें कहा, ''महाराज जी, मैंने आम खाए; किंतु कम-से-कम छिलके और गुठलियाँ तो छोड़ दीं, पर आप तो मुझसे कहीं अधिक पेटू निकले, आपने तो गुठलियाँ और छिलके भी न छोड़े।''

   (घ) अकबर ने बीरबल पर आरोप लगाया कि वह सारे आम खा गया।
5. (क) विनोदप्रीय   विनोदप्रिय

   (ख) दरबारीयों   दरबारियों

   (ग) गुठलियों   गूठलियों

   (घ) मँगवाए   मंगवाए

भाषा की बात

1. बच्चों राजाओं

   उद्यानों दरबारियों

   सिंहो बगीचों

   गुठलियों लोगों

   आमों बंदरों

2. शेरनी मोरनी

   पंडिताइन ललाइन

   कवयित्री गधी

   बकरी मुर्गी

3. विशेषण - रसीले, बुद्धिमान, विनोदप्रिय, हाजिरजवाब, सौ

   विशेष्य - आम, बीरबल, राजा, बालक, रुपये

रचनात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें-

पाठ - 15 त्योहारों का महत्व

1. क. (द) ख. (स) ग. (ब) घ. (अ)
2. (क) सज गए दीपक, (ख) सज जाते, (ग) हुड़दंगों वाली,
   (घ) कपड़े सिलवाते, (ङ) क्रिसमस
3. (क) असत्य, (ख) सत्य, (ग) असत्य, (घ) सत्य, (ङ) सत्य
4. (क) त्योहार जीवन में खुशियाँ लाते हैं।
   (ख) दीपावली पर चारों ओर रोशनी दिखायी देती है।
   (ग) रक्षाबंधन भाई-बहन के प्रेम की याद दिलाता है।
   (घ) होली के त्योहार पर हुड़दंग अधिक होता है।
   (ङ) क्रिसमिस पर उपहार सेंटा क्लॉज बाँटता है।
5. (क) विचारों का आदान-प्रदान, (ख) बार-बार कहना,
   (ग) सुखद, (घ) कड़ा (आभूषण), (ङ) शोर मचाना,
   (च) आटे या मैदे के बहुत पतले सूत, (छ) इसाई संत

भाषा की बात

1. प्रसन्नता, कठिनाई, आवश्यकता, बीमारी
2. (क) (iii), (ख) (iv), (ग) (v), (घ) (ii), (ङ) (i)

रचनात्मक गतिविधि

(क) छात्र स्वयं करें-

पाठ - 16 गलती का अहसास

1. क. (स) ख. (अ) ग. (ब) घ. (स)
2. (क) डराने, (ख) अटक, (ग) भरोसा, (घ) सोचता, (ङ) पापा
3. (क) (iii), (ख) (iv), (ग) (v), (घ) (ii), (ङ) (i)
4. (क) विलियम ने जॉय से कहा।
   (ख) जॉय ने विलियम से कहा।
   (ग) जॉय ने विलियम से कहा।
   (घ) विलियम ने जॉय से कहा।
   (ङ) विलियम ने जॉय से कहा।
5. (क) विलियम उस दिन स्कूल नहीं गया था, तो उनके पिताजी को यह खबर देने के लिए अध्यापक ने जॉय को चिट्ठी दी।
   (ख) जॉय ने विलियम को बताया कि उसने अध्यापक को वायदा किया है कि वह पिताजी को चिट्ठी अवश्य देगा। यह बात सुनकर विलियम के होश उड़ गए।
   (ग) विलियम ने जॉय से कहा कि वह कभी भी जॉय के साथ ऐसा नहीं कर सकता था। वह कभी भी चिट्ठी पापा तक नहीं पहुँचाता। विलियम की यह बात सुनकर जॉय प्रभावित हुआ।
   (घ) जॉय ने विलियम से कहा कि उसने सिर्फ उसकी खातिर अध्यापक, माँ, पिताजी सब से धोखा किया है और वह है कि इतना स्वार्थी बनता है। यह कहकर जॉय जोर-जोर से रोने लगा।
   (ङ) होश में आने पर विलियम ने माँ को बताया कि वह स्कूल से भागा नहीं था।

भाषा की बात

1. दौड़ना, खाना, लिखना, सोना,
   खेलना, पढ़ना
2. घमंडी, परोपकारी, क्रोधी, जंगली, सब्जी विक्रेता

रचनात्मक गतिविधि

(क) छात्र स्वयं करें-

पाठ - 17 संजीवनी बूटी

1. क. (ब) ख. (अ) ग. (अ) घ. (अ)
2. (क) संकट, (ख) औषधि, (ग) पर्वत, (घ) आपका
3. (क) श्री राम ने वानर सेना से कहा।
   (ख) हनुमान जी ने स्वयं से कहा।
   (ग) एक वानर ने श्री रामजी से कहा।
   (घ) वैद्य ने हनुमान जी से कहा।
   (ङ) लक्ष्मण ने श्री राम जी से कहा।
   (च) हनुमान जी ने श्री राम जी से कहा।
4. (क) सत्य, (ख) सत्य, (ग) सत्य, (घ) असत्य, (ङ) सत्य
5. (क) राम के प्रिय भाई लक्ष्मण रावण के साथ युद्ध में बेहोश हो गए थे। यही राम की चिंता का कारण था।
   (ख) वैद्य ने लक्ष्मण जी की बीमारी का उपचार बताया कि इसका केवल एक ही हल है और वह यह कि यदि कोई प्रात: होने से पहले संजीवनी बूटी लाकर लक्ष्मण को पिला दे तो उनके प्राण बच सकते हैं।
   (ग) संजीवनी बूटी लेने हनुमान जी गये।
   (घ) श्रीराम लक्ष्मण के ठीक हो जाने पर भी प्रसन्नता के कारण रो रहे थे।
   (ङ) अपनी प्रशंसा सुनकर हनुमान जी बोले कि यह तो श्रीराम जी का प्रताप व आर्शीवाद है।
   (च) इस कथा से सेवा, प्रेम व विनम्रता की शिक्षा मिलती है।

भाषा की बात

1. (क) (लज्जित या शर्मिदा होना) - परीक्षा में फेल हो जाने के कारण राहुल अपने परिवार के सामने आँख नहीं उठा पा रहा था।
   (ख) (अपनापन या जुड़ाव हो जाना) - विक्रम का अपने पालतू कुत्ते के साथ बहुत अधिक लगाव हो गया है।
   (ग) (मरने की हालत में होना) - सुबह से घर का काम करते-करते मालती बेदम हो गई।
   (घ) (अत्यधिक खुश होना) - कई वर्षो बाद सीमा का बेटा विदेश से लौटा तो वह गद्‌गद्‌ हो गई।
2. (क) <u>छोटी</u> लड़की रोटी लेकर आई।
   (ख) कांजीहाउस में <u>कई</u> भैंसे थीं।
   (ग) <u>दढ़ियल</u> आदमी ने उन्हें खरीद लिया।

(घ) तीन घोड़ियाँ सरपट भाग निकलीं।

(ङ) उन्हें जालिम व्यक्ति ने खरीद लिया था।

3. लकड़ियाँ, रस्सियाँ, घोड़ियाँ, बकरियाँ, आँखें, लड़कियाँ, रोटियाँ।

रचनात्मक गतिविधि

(क) छात्र स्वयं करें-

पाठ - 18 सड़क की कहानी

1. क. (ब) ख. (द) ग. (अ) घ. (ब)
2. (क) आभूषण, (ख) घर, (ग) साफ, (घ) फल
3. (क)सत्य, (ख) सत्य, (ग) असत्य, (घ) सत्य, (ङ) असत्य
4. (क) सड़क का शरीर बहुत सख्त है क्योंकि इसका शरीर सख्त न हो तो इस पर बड़े-बड़े वाहन नहीं चल पायेंगे।

   (ख) कभी सड़क पर से बारात गुजरती है, तो लोगों की उमंग, उनके गीत और नृत्य से सड़क के हृदय में जोश भर जाता है।

   (ग) सड़क को वे लोग अच्छे लगते हैं जो इसके किनारों पर वृक्ष लगाते हैं।

   (घ) सड़क मोटा-पतला, हलका-भारी, गोरा-काला, अमीर-गरीब आदि सभी लोगों के लिए है।

   (ङ) सड़क लोगों से विनती कर रही है कि उसे साफ-सुथरा रखें।

भाषा की बात

1. (क) गूँगा, (ख) दृष्टिहीन, (ग) बातूनी, (घ) पढ़ाकू,
   (ङ) बहरा, (च) घमंडी, (छ) लालची, (ज) कामचोर
2. सुंदर, आनंद, गूँगा, पहुँचना, घमंड,
   हँसना, चाँद
3. (क) (vii), (ख) (vi), (ग) (v), (घ) (iv), (ङ) (iii),
   (च) (ii), (छ) (i)

रचनात्मक गतिविधि

(क) छात्र स्वयं करें-

मधुलिका हिन्दी पाठ्य पुस्तक - IV

पाठ - 1 वंशीधर वर दो

1. क. (अ) ख. (अ) ग. (अ) घ. (अ) ङ. (अ)
2. (क) मर्यादा, (ख) फूल, (ग) साहसी, (घ) धर्म
3. (क) सत्य, (ख) सत्य, (ग) असत्य, (घ) सत्य, (ङ) सत्य
4. (क) कवि श्री राम से मर्यादा में रहना तथा माता-पिता का कहना मानना सीखने के लिए इच्छुक है।
   (ख) कवि ने श्री कृष्ण से वर माँगा है।
   (ग) 'बुद्ध' को शांति का प्रतीक माना जाता है।
   (घ) कर्ण अपने दान के कार्य के लिए प्रसिद्ध थे।
   (ङ) कवि अपना तन वज्र जैसा और मन फूल जैसा चाहता है।

भाषा की बात

1. (क) (iii), (ख) (iv), (ग) (v), (घ) (vi),
   (ङ) (ii), (च) (i)

रचनात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करे-

पाठ - 2 जतिन के आँसू

1. क. (ब) ख. (ब) ग. (अ) घ. (स) ङ. (अ)
2. (क) धुन, (ख) बाज, (ग) साँस ले, (घ) छलाँगें
3. (क) मोचियों के नेता ने जतिन से कहा।
   (ख) जतिन के पिता ने जतिन से कहा।
   (ग) जतिन की माँ ने जतिन से कहा।
   (घ) मोचियों के नेता ने जतिन से कहा।
   (ङ) जतिन ने दर्जियों से कहा।
4. (क) सत्य, (ख) सत्य, (ग) असत्य, (घ) सत्य
5. (क) जतिन स्वभाव से बड़ा ही चंचल और नटखट था। स्कूल हो या घर हर वक्त धमा-चौकड़ी मचाना उसकी आदत थी। उसकी एक और गंदी आदत थी कि वह हर समय अपनी पेंसिल चबाता रहता था।
   (ख) जतिन के पिता ने उसे हिदायत दी कि यदि उसने फिर जूतों को तोड़ा, तो उसे फटे हुए जूते ही पहनने पड़ेंगे।

(ग) जतिन सबसे अधिक हिफाज़त पतंग की करता था।

(घ) मोचियों के नेता ने जतिन को जूतों के विषय में कहा कि जब तुम जूतों को पहनकर दौड़ते हो तो इन्हें भी दर्द होता है।

(ङ) दर्जी जतिन को यह बात कहते हुए हँस रहे थे कि उनके पास उसके खाने के लिए कई चीजें हैं।

भाषा की बात

1. (क) वर्तमान काल, (ख) भूतकाल, (ग) भविष्यत् काल,
   (घ) भूतकाल, (ङ) वर्तमान काल, (च) वर्तमान काल
2. (क) यात्रियों को अपने-अपने तीर्थ पर जाना पड़ा।
   (ख) दर्शकों को अपने-अपने भवन में जाना पड़ा।
   (ग) कलाकारों को अपने-अपने मंडप में जाना पड़ा।

पाठ - 3 आयुर्वेद

1. क. (स) ख. (स) ग. (अ) घ. (ब)
2. (क) अत्याचार, (ख) आहार-विहार, (ग) औषधियों, (घ) सिकाई
3. (क) सत्य, (ख) सत्य, (ग) सत्य, (घ) सत्य, (ङ) सत्य
4. (क) हमारे पूर्वज हमसे अधिक स्वस्थ रह पाते थे क्योंकि वे आयुर्वेद के बताए नियमों को अपनाते थे।
   (ख) 'आहार' अर्थात् हमारा भोजन और 'विहार' अर्थात हमारी दिनचर्या।
   (ग) आयुर्वेद भारतीय ऋषियों द्वारा बनाया गया 'चिकित्सा शास्त्र' है, जिसमें स्वस्थ रहने के अनमोल सिद्धांत बताए गए हैं।
   (घ) नीम, आँवला, हींग, हल्दी, चंदन, इलायची, केसर, स्वर्ण, मोती एवं तुलसी, लौंग आदि।
   (ङ) आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति अंग्रेजी चिकित्सा पद्धति से बेहतर है क्योंकि आयुर्वेद का प्रचार आज पूरे विश्व में जोरो-शोरों से हो रहा है। विश्वभर में आयुर्वेदिक औषधियों की माँग बढ़ी है।

भाषा की बात

1. (क) औषधियाँ, (ख) दुकानें, (ग) बीमारियाँ, (घ) बूटियाँ,
   (ङ) वस्तुएँ, (च) युक्तियाँ, (छ) कलियाँ, (ज) मंडलियाँ,
   (झ) झोंपड़ियाँ, (ञ) कोठियाँ, (ट) शेरनियाँ, (ठ) बकरियाँ
2. (क) मैंने खेलने के लिए अपने मित्र की दो घंटे प्रतीक्षा की पर वह नहीं आया।

(ख) हमें सदा प्रसन्न रहना चाहिए।

(ग) हमें सदा अच्छी आदतों का ही पालन करना चाहिए।

3. (क) वर्तमान काल, (ख) भूतकाल, (ग) भविष्यत् काल,

(घ) वर्तमान काल, (ङ) भूतकाल

पाठ - 4 पिंजरा सोने का

1. क. (अ) ख. (अ) ग. (स) घ. (अ) ङ. (अ)

2. (क) आजादी, (ख) प्यारी, (ग) नतमस्तक, (घ) पिंजरा,

(ङ) अपने बलबूते

3. (क) सत्य, (ख) असत्य, (ग) सत्य, (घ) सत्य, (ङ) सत्य

4. (क) व्यक्ति चिड़िया को सोने के पिंजरे का लोभ देकर पिंजरे में डालना चाहता है।

(ख) चिड़िया को अपनी स्वयं की शक्ति पर भरोसा है।

(ग) चिड़िया पिंजरे को यह कहकर अस्वीकार करती है कि उसे यह बंदीगृह नहीं पसंद। उसे सुख और आजादी चाहिए।

(घ) पराधीन जीवन में व्यक्ति को सिर झुकाकर सब कुछ सहना पड़ता है और उसका जीवन अभिशापित हो जाता है। इसके साथ ही वह सबके हाथ का खिलौना बनकर रह जाता है।

(ङ) स्वतंत्र रहने में ही सच्चा सुख होता है। स्वतंत्र व्यक्ति स्वयं अपने लिए सुख का प्रबंध कर लेता है। उसे अपने सुखों के लिए किसी के अधीन नहीं होना पड़ता।

5. (क) (हार मान लेना) - अपनी बड़ी बहन के साथ बहस में मैं नतमस्तक हो गया।

(ख) (खुद के भरोसे रहना) - रोहित अपने बलबूते रहकर नौकरी कर सकता है।

(ग) (उल्टे रास्ते पर चलना) - टेढ़ी-मेढ़ी चालें चलकर ही वह इतना अमीर बना है।

(घ) (किसी के आदेश के अनुसार काम करना) - रीना ने तो अपनी छोटी बहन को खिलौना बना रखा है।

भाषा की बात

1. (क) रवि पुस्तक पढ़ेगा। (ख) मैं पुस्तक पढ़ता हूँ।

(ग) दुकानदार सामान बेचता था। (घ) मैं पत्र लिखता हूँ।

2.	खाना	खाता	खाया
	कूदना	कूदता	कूदा
	गाना	गाता	गाया
	पकड़ना	पकड़ता	पकड़ाया
	नहाना	नहाता	नहाया

रचनात्मक गतिविधि

1. पिंजरे में रहने वाले पक्षी –
   तोता, मुर्गी, मुर्गा, कोयल, चिड़िया, सफेद कबूतर, मैना
   स्वतंत्र उड़ने वाले पक्षी–
   मोर, कौआ, चील, हंस, बगुला, उल्लू, गिद्ध, बाज
2. 'पराधीन सपनेहूँ सुख नांहि' का अर्थ है– पराधीनता का जीवन जीने वाला व्यक्ति सपनों में सुख नहीं पाता। इस संसार का प्रत्येक प्राणी स्वतंत्र जीवन व्यतीत करना चाहता है। पशु–पक्षी भी बंधनमुक्त रहना चाहते हैं, फिर मनुष्य की बात ही अलग है। पराधीन व्यक्ति अपनी इच्छानुसार नहीं जी सकता। उसका खाना–पीना, उठना–बैठना, सोना–जागना सब दूसरों की इच्छा पर निर्भर करता है। पराधीनता का जीवन अर्थात दासों के समान जीवन जीना होता है। पराधीनता व्यक्ति के साथ हमेशा शोषण किया जाता है। पराधीन व्यक्ति कभी भी अपने आत्मसम्मान को सुरक्षित नहीं रख पाते हैं। लोकमान्य तिलक ने कहा था कि "स्वतंत्रता मेरा जन्म सिद्ध अधिकार है।" आज हमारा राष्ट्र स्वतंत्र है, परंतु देश के प्रत्येक वर्ग ने पराधीनता के दुष्टपरिणाम झेले हैं। ऐसे में अब सभी को स्वतंत्रता का लाभ भी बराबरी से मिलना चाहिए।

पाठ - 5 रूप और गुण

1. क. (द)   ख. (ब)   ग. (स)
2. (क) कवि कालिदास ने, महाराज विक्रमादित्य से कहा, क्योंकि राजा ने उनके काले रूप पर व्यंग्य किया था तो कालिदास उन्हें इस बात का जवाब देना चाहते थे।
   (ख) राजा विक्रमादित्य ने, कवि कालिदास से कहा, क्योंकि उन्हें सोने की सुराही का पानी दिया गया था जो पीने में गरम लग रहा था।
3. (क) राजा ने कालिदास को छेड़ते हुए कहा कि वह विद्वान और गुणी हैं। महान कवि भी हैं। उनकी कविता जितनी सुंदर होती है, वह उतने ही कुरूप हैं। यदि उनको सुंदर रूप भी मिला होता तो सोने में सुहागा वाली बात होती।

(ख) दूसरे दिन राजसभा में पहुँचते ही कालिदास ने मिट्टी की सुराही जिसमें शीतल जल भरा था, हटवा दी। उसके स्थान पर सोने की सुराही में पेयजल रखवा दिया। फिर उसे कपड़े से ढक दिया।

(ग) सुराही की चमक-दमक और सुंदरता से सभी की आँखें चौंधिया गईं। सभी उसकी सुंदरता के गुण गाने लगे। कोई उसकी गढ़न की प्रशंसा कर रहा था तो कोई सोने की और कोई नक्काशी की।

(घ) मिट्टी की सुराही की जगह सोने की सुराही रखकर कालिदास राजा को यह समझाना चाहते थे कि जहाँ किसी का गुण काम आता है वहाँ रूप कुछ नहीं कर सकता। अर्थात रूप से ज़्यादा गुण श्रेष्ठ है।

भाषा की बात

1. लंबी - नाक, तेजपूर्ण - माथा, अपने-अपने - घर,
   सुंदर - सुराही, शुद्ध - सोना, महान - कवि

2. निंदा बुद्धिमान
   सरदी प्रश्न
   कुरूप अशुद्ध

3. (ख) विक्रमादित्य राजसभा में उपस्थित थे।
   (ग) विवाद में ज्यादातर कालिदास जीत जाते थे।
   (घ) आप राजमहल में शीतल कमरे में चलें।
   (ङ) मैं सवेरा होते ही लेने आऊँगा।
   (च) मिट्टी की सुराही में ठंडा जल भरा था।

रचनात्मक गतिविधि

2. (ख) रूपांतर, रूपवान, रूपवती
   (ग) न्यायी, न्यायाधीय, न्यायप्रिय, न्यायप्रियता, न्यायवादी
   (घ) गुणी, गुणवान, गुणवती

पाठ - 6 कहाँ गए वो दिन

1. क. (स) ख. (अ) ग. (अ)
2. (क) बड़बड़ाने, (ख) मुस्करा, (ग) गर्मी (घ) कट, (ङ) पेड़
3. (क) मधु ने दादी से कहा, (ख) मधु ने दादी से कहा,
   (ग) दादी ने मधु से कहा, (घ) दादी ने मधु से कहा
4. (क) असत्य, (ख) असत्य, (ग) असत्य, (घ) सत्य

5. (क) मधु की दादी अपनी गर्मी की छुट्टियों में पेड़ों की डालों पर मोटी रस्सी का झूला डालकर आनंद से घंटों झूला झूलती थी। पेड़ों पर से पके हुए फल जामुन, बेर, इमली चुन-चुनकर इकट्ठा किया करती थीं और फिर सबके साथ मिल-बाँटकर खाते थे। इसके बाद वह रस्सी कूदतीं और जब थक जाती तो पत्रिकाएँ पढ़ती थीं।

(ख) मधु की गर्मी की छुट्टियाँ थीं परंतु प्रतिदिन सुबह नौ बजे से ही बिजली गुल होने लगी। मधु का तो गर्मी के मारे बुरा हाल था। उसने छुट्टियों के लिए खेल-कूद की योजनाएँ बना रखी थीं, पर उन सब पर पानी फिर गया था। इसलिए मधु परेशान थी।

(ग) (i) पेड़ हमें छाया देते हैं।

(ii) पेड़ों से हमें मीठे व रसीले फल खाने को मिलते हैं।

(iii) पेड़ प्रकृति का संतुलन बनाए रखने में सहायक हैं।

(iv) पेड़ हमें सांस लेने में सहायक ऑक्सीजन गैस देते हैं।

(घ) दादी की बातें सुनकर मधु ने एक पेड़ लगाने का निर्णय लिया।

(ङ) मनुष्य ने फर्नीचर व इमारती सामान आदि के लिए अंधाधुंध पेड़ काटे। अपनी शानोशौकत के प्रदर्शन के लिए इंसान ने जरूरत से ज्यादा लकड़ी का प्रयोग सजावटी सामानों के लिए किया। पेड़ों से ज्यादा-से-ज्यादा धन कमाना भी उसका लक्ष्य था, इसीलिए इतने अधिक पेड़ काटे गये।

भाषा की बात

1. (क) युद्ध, वृद्ध (ख) पट्टी, मिट्टी, (ग) द्वार, द्वेष
2. (क) रामन ने निश्चय किया इसलिए वह दरबार में पहुँच गया।

(ख) चोर कुएँ पर आए और पानी खींचने लगे।

3. मूर्ख मूर्ख

अप्रसन्न कठिन

रचनात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करे-

पाठ - 7 अधिक महत्त्वपूर्ण कौन?

1. क. (ब) ख. (अ) ग. (अ) घ. (ब) ङ. (द)
2. (क) प्रेम, (ख) सिर, (ग) सदबुद्धि, (घ) विश्व
3. (क) किताब ने बस्ते से कहा, (ख) बस्ते ने पेंसिल से कहा,

(ग) किताब ने पेंसिल से कहा, (घ) रबड़ ने किताब से कहा

4. (क) असत्य, (ख) सत्य, (ग) असत्य, (घ) असत्य, (ङ) सत्य

5. (क) बच्चे ने बस्ते में बहुत कुछ भरा हुआ था और उसे पटककर रखता था। यही उसकी पीड़ा का कारण था।

   (ख) रोज ही पेंसिल को कटर में रखकर घुमाया जाता था, इसलिए पेंसिल को चक्कर आ रहे थे।

   (ग) किताब का अभिनंदन और गुणगान पूरे विश्व में किया जाता है।

   (घ) बच्चे ने बीच-बीच में से किताब के पृष्ठ फाड़कर, उस पर जगह-जगह स्याही फैलाकर; किताब को कुरूप बना दिया था।

   (ङ) बस्ते ने बच्चे के लिए ईश्वर से सदबुद्धि माँगी।

6. (क) गरीबों की दुर्दशा देखकर मुझे उन पर दया आ गई।

   (ख) मैं अपने पिताजी की हर बात से सहमत रहता हूँ।

   (ग) हमें अपने से बड़ो का अभिनंदन करना चाहिए।

   (घ) मुसीबत के समय सदबुद्धि से काम लेना चाहिए।

भाषा की बात

1. आए — लताएँ

   कण्ठ — आरंभ

   बुद्धिमान — कद्दू

   दंड — मद्य

2. (क) लोगों **का** आवागमन बढ़ता जा रहा था।

   (ख) पक्षी घोंसलों **में** चहचहा रहे थे।

   (ग) एक स्त्री कुएँ **पर** पानी भरने आई।

   (घ) बेटा माँ की गोद **से** गिर गया।

   (ङ) माँ बच्चे **के लिए** भोजन लाई।

   (च) उसने घड़े **में** पानी भरा।

रचनात्मक गतिविधि

2. बस्ता, पेंसिल बॉक्स, रजिस्टर, रबड़, किताब, पेंसिल, पैमाना, पेन, कॉपी

पाठ - 8 बूँद और बादल

1. क. (स) ख. (ब) ग. (अ)

2. (क) बूँदे काले-काले बादलों से आती हैं।

(ख) बूँदे शीतल और मीठा जल बरसाती हैं।

(ग) बूँदे बरसने पर पेड़ों को हरियाली मिलते ही धरती हरी-भरी हो जाती है तथा सागर भी भर जाते हैं।

(घ) बूँदे नन्हीं-नन्हीं हैं।

(ङ) बूँदे पेड़ों को हरियाली देती हैं तथा सागर को जल से भर देती हैं।

3. (क) बादल अपने साथ ले आते हैं।

(ख) खुशी के साथ

(ग) पेड़ों को हरा-भरा कर देती है।

(घ) सब लोग धरती पर खुश हो जाते हैं।

भाषा की बात

1. नन्हीं, आसमान,

पुष्प, सागर,

धरती, जीवन

2. काले,

नन्हीं,

शीतल तथा मीठा

3. क. काला ख. शीतल ग. हरा

रचनात्मक गतिविधि

छोटी है पर काम बड़े हैं,

बूँद-बूँद से सागर भरती।

पाठ - 9 गुरुदेव रविंद्रनाथ ठाकुर

1. क. (स) ख. (द) ग. (अ) घ. (अ)

2. (क) काव्य रचना व संगीत, (ख) भावुक, (ग) 'सर', (घ) 1941

3. (क) सत्य, (ख) सत्य, (ग) सत्य, (घ) सत्य

4. (क) रविंद्रनाथ ठाकुर का जन्म 7 मई सन् 1861 को कलकत्ता (कोलकाता) के प्रसिद्ध ठाकुर परिवार में हुआ था।

(ख) काव्य रचना गीताजंलि के लिए रविंद्रनाथ ठाकुर को 'नोबेल पुरस्कार' प्राप्त हुआ।

(ग) 'शांति निकेतन' की स्थापना के पीछे रविंद्रनाथ जी का उद्देश्य यह था कि विद्यार्थीगण खुले स्थान पर पेड़ों तले अध्यापकों के साथ बैठ सकें

तथा बिना किसी भय, संकोच व चिंता के प्रश्न आदि पूछें तथा चर्चा द्वारा किसी विषय को समझ सकें।

(घ) रविंद्रनाथ ठाकुर को लोग आदर से गुरुदेव कहकर पुकारते है।

भाषा की बात

1. (क) लिख रहे, (ख) झाड़ता, (ग) बुनते, (घ) पिसता, (ङ) बनाता, (च) करता
2. व्यापारिक, शहरी, पारिवारिक, सामाजिक, जंगली, चाँदनी

रचनात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें-

पाठ - 10 गोलू

1. क. (अ) ख. (ब) ग. (ब) घ. (ब)
2. (क) खूशबू, (ख) भूख, (ग) खिन्न, (घ) दुर्बल
3. (क) गोलू ने माँ से कहा, (ख) माँ ने गोलू से कहा, (ग) माँ ने गोलू से कहा, (घ) गोलू ने अपने मित्र से कहा
4. (क) असत्य, (ख) सत्य, (ग) असत्य, (घ) सत्य
5. (क) गोलू प्राय: अपनी माँ से कहता था कि उनका घर एकदम पुराना और बेकार है। इन वस्त्रों में वह वृद्धा दिखायी देती हैं। हर काम स्वयं ही करना पड़ता है। न तो कोई सुख है और न ही आराम।

   (ख) गोलू का अपना घर पुराना व कई स्थानों से टूटा-फूटा था।

   (ग) गोलू की माँ उसे समझाती थीं कि यहीं सुख है और यहीं आराम। उसे माँ के पास बैठने का वक्त भी है, मेहनत करके अच्छी भूख लगती है और शांति से नींद आ जाती है।

   (घ) धनी बनने की लालसा में गोलू अपने मालिक का दुर्व्यवहार सहन कर लेता था।

   (ङ) गोलू कभी-कभी सोचता कि काश वह आराम से अपने गाँव के घर में कुछ क्षण के लिये सेब के पेड़ के नीचे बैठ सकता। यही सोचकर उसे दु:ख होता और हँसी भी आती।

भाषा की बात

1. घुड़सवार

   राजपुत्र सूर्योदय

2. (क) तुम क्यों नहीं <u>सोईं</u>?

(ख) आप कैसी <u>बात कर रहे हैं</u>?

(ग) मैं तो सभी को <u>जगाना चाहता हूँ</u>।

(घ) मुझे अब <u>जाने दो</u>।

(ङ) मैं राजमहल का <u>त्याग कर चुका हूँ</u>।

रचनात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें-

पाठ - 11 : सारथी

1. क. (अ) ख. (स) ग. (स) घ. (अ) ङ. (अ)

2. (क) उपदेश, (ख) आत्मा, (ग) उपहास, (घ) गौण

3. (क) अर्जुन ने श्री कृष्ण से कहा,

(ख) श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा,

(ग) श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा

4. (क) सत्य, (ख) असत्य, (ग) असत्य, (घ) सत्य, (ङ) सत्य

5. (क) अर्जुन ने युद्ध करने से इंकार कर दिया क्योंकि उनके साथ युद्ध करने के लिए उनके गुरु द्रोणाचार्य, भीष्म पितामह तथा दुर्योधन आये थे और वे सब अर्जुन के बड़े थे।

(ख) कृष्ण ने अर्जुन को युद्ध करने की प्रेरणा यह कहकर दी कि यदि तुम युद्ध नहीं करोगे तो तुम्हें तुम्हारा खोया हुआ अधिकार कैसे मिलेगा।

(ग) युद्ध के मैदान में अर्जुन से लड़ने गुरु द्रोणाचार्य, भीष्म पितामह तथा दुर्योधन आये थे।

(घ) शरीर और आत्मा में यह भिन्नता है कि मृत्यु होने पर शरीर नष्ट हो जाता है परंतु आत्मा नष्ट नहीं होती। आत्मा नया शरीर धारण कर पुनः जन्म लेती है।

(ङ) हर परिस्थिति में मनुष्य को केवल अपने कर्त्तव्य पर ही ध्यान देना चाहिए।

6. (क) (iii), (ख) (iv), (ग) (i), (घ) (ii)

भाषा की बात

1. (क) महारानी! आप क्या बोल रही हैं?

(ख) आपके बिना राजकुमार का क्या होगा?

(ग) मैं रास्ते की एक भिखारिन हूँ।

(घ) बच्ची खेल रही है।

(ङ) पंडिताइन पूजा करती हैं।

रचनात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें-

पाठ - 12 अनमोल वचन

1. (क) कबीर सबके लिए खैर (शुभ) माँगते हैं।

   (ख) जिसके हृदय में सच है, ईश्वर उसके हृदय में निवास करते हैं।

   (ग) मनुष्य को मीठी वाणी बोलनी चाहिए।

   (घ) गुरु कुम्हार और शिष्य कुंभ है क्योंकि जिस प्रकार घड़े को सुंदर बनाने के लिए कुम्हार अंदर हाथ डालकर बाहर से थाप मारते हैं; ठीक उसी प्रकार गुरु शिष्य को कठोर अनुशासन में रखकर उसके अवगुणों पर चोट करते हैं लेकिन अंदर से उसे सहारा भी देते हैं, जिससे कहीं वह टूट ना जाए।

   (ङ) हमें आज का कार्य कल पर नहीं छोड़ना चाहिए क्योंकि समय का कोई भरोसा नहीं होता। कल के भरोसे काम को टालने वाले हमेशा काम को टालते ही रह जाते हैं।

2. (क) इस दोहे का अर्थ है कि जब आपके सामने गुरु और ईश्वर दोनों विद्यमान हों तो पहले गुरु के चरणों में अपना शीश झुकाना चाहिए, क्योंकि गुरु ने ही हमें भगवान के पास पहुँचने का ज्ञान प्रदान किया है।

   (ख) कबीर दास जी इस दोहे में कहते हैं कि कभी भी कल पर कोई काम मत छोड़ो, जो कल करना है उसे आज कर लो और जो आज करना है उसे अभी कर लो। किसी को पता नहीं अगर अगले ही पल में प्रलय आ जाये तो जीवन का अंत हो जायेगा। तो फिर जो करना है वो कब करोगें।

पाठ - 13 भारतीय संस्कृति

1. क. (द) ख. (स) ग. (द) घ. (स)
2. (क) आरती, (ख) विश्वास, (ग) सेवा द्वारा, (घ) नियमित
3. (क) सत्य, (ख) सत्य, (ग) सत्य, (घ) सत्य, (ङ) असत्य
4. (क) भारत निराला देश है।

   (ख) हृदय की उदारता और सद्गुण भारत के लोगों की विशेषता है। अपने-पराये सभी के लिए स्नेह भाव लिए भारतीय सबको प्रेम व आदर देते हैं।

(ग) भारतीय संस्कृति में मिल-बाँटकर खाने व सेवा व त्याग द्‌वारा सुख पाने की बात सिखायी जाती है। भारतीय संस्कृति में अति श्रेष्ठ नियम बनाये गए थे; जैसे- प्रत्येक वस्तु को ईश्वर की धरोहर समझकर उपयोग करें, सेवा द्‌वारा अहंकार को दूर रखें अर्थात् अपने से आयु में बड़ों, अतिथियों आदि की सेवा करें, अच्छी-अच्छी पुस्तकों व वेद-शास्त्र, आदि का नियमित पाठ करें। प्रत्येक प्राणी को ईश्वर का स्वरूप समझें, निंदा न करें व झूठ न बोलें, प्रेम व क्षमा भाव को धारण करें।

(घ) विज्ञान ने हमें भाँति-भाँति की नयी मशीनें व सुख-सुविधा के साधन दिए हैं; जैसे- कार, हवाई जहाज, एयर कंडीशनर, कूलर, फ्रिज, टेलिविजन, विद्‌युत से चलने वाले सैकड़ों उपकरण एवं अनेक जीवन-रक्षक औषधियाँ आदिं। इन वस्तुओं ने हमारे जीवन को बहुत सरल व सुखद बनाया है।

(ङ) विश्व शांति के लिए हमें भारतीय संस्कृति के सुनहरे नियमों का अभ्यास करना होगा।

भाषा की बात

1. (क) (iv), (ख) (v), (ग) (vi), (घ) (vii), (ङ) (viii),
   (च) (iii), (छ) (ii), (ज) (i)

2. भारत, जापान, अमेरिका
   नीम, अशोक, आम
   हिंद महासागर, प्रशांत महासागर, आर्कटिक महासागर
   गंगा, यमुना, सरस्वती
   हिंदी, अंग्रेजी, पंजाबी

3. बादलों समुद्रों
   बूँदें सीपें
   हवाएँ घरों

रचनात्मक गतिविधि

2. दिसपुर
   पटना
   लखनऊ
   चंडीगढ़
   चंडीगढ़
   मुंबई
   गांधीनगर

भोपाल

बेंगलुरू

चेन्नई

पाठ - 14 रानी अवंतीबाई

1. क. (स) ख. (स) ग. (अ)
2. (क) छोटे पुत्र, (ख) पाकर, (ग) गुलाम, (घ) विरूद्ध, (ङ) भागने
3. (क) सत्य, (ख) सत्य, (ग) सत्य, (घ) असत्य, (ङ) सत्य,
   (च) सत्य
4. (क) अवंतीबाई मरखेड़ के राजा जूझारसिंह की पुत्री थी। उनके पति का नाम विक्रमादित्य था।

   (ख) विक्रमादित्य इतने अस्वस्थ हो गये कि वह राज-काज सँभालने में असमर्थ हो गये। उनके पुत्र अभी बहुत छोटे थे। उन दिनों भारत में 'ईस्ट इंडिया कंपनी' के माध्यम से अंग्रेज भारत को गुलाम बनाने का षड्यंत्र रच रहे थे। उन्होंने रानी को एक पत्र लिखा और कहा कि अब रामगढ़ का कोई वारिस नहीं है। अत: रामगढ़ पर अब उनकी कंपनी का अधिकार है। यह पत्र पाकर पानी का खून खौल उठा।

   (ग) अंग्रेजों ने रामगढ़ को अपने अधिकार में लेने का कारण पत्र में यह लिखा कि अब रामगढ़ का कोई वारिस नहीं है।

   (घ) वाडिगंटन को क्षमा करके रानी ने अनुचित किया क्योंकि वाडिंगटन ने चुपचाप रानी के विरूद्ध सेना तैयार कर ली। अन्य अंग्रेज अधिकारियों ने भी उसे गुप्त रूप से सैन्य-सहायता प्रदान की और एक दिन, अवसर देखकर उसने रामगढ़ पर धावा बोल दिया। वाडिंगटन ने सारा रामगढ़ तहस-नहस कर दिया और रानी को चारों ओर से घेर लिया।

   (ङ) वाडिंगटन और रानी में घोर युद्ध हुआ। रानी के अदम्य साहस के सम्मुख वाडिंगटन पराजित हो गया। रानी केवल वीरांगना ही नहीं थीं, वह बड़े उदार हृदय की नारी थीं। वाडिंगटन व उसके पुत्र को बंदी बना कर जब उनके सामने लाया गया तो उन्होंने उन्हें क्षमा कर दिया।

   (च) रानी का अंग्रेजों के साथ युद्ध सन् 1857 में हुआ।

भाषा की बात

1. (क) मेरे कर से कप छूटकर गिर गया।
   माँ सुबह से घर का काम कर रही हैं।

   (ख) बच्चा माँ की गोद में सो रहा है।

राधा ने चुटकुले सुनाकर पेट में गोदा दिया।

(ग) पैदल चलते-चलते मेरे पद थक गये हैं।

राहुल के पिताजी शिक्षा विभाग में उच्च पद पर कार्यरत हैं।

2. (क) रमेश, तुम कब आए?

(ख) रविकांत पढ़ रहा है।

(ग) मैं जूते, कमीज और पुस्तकें खरीदूँगा।

(घ) कौन चिल्ला रहा है?

(ङ) आओ, बाहर चलें।

3. (क) (vi), (ख) (ix), (ग) (vii), (घ) (viii),

(ङ) (v), (च) (iv), (छ) (iii), (ज) (ii), (झ) (i)

रचनात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें-

पाठ - 15 कदंब का पेड़

1. क. (ब) ख. (अ) ग. (द) घ. (अ)

2. (क) बाँसुरी, (ख) बाँसुरी, (ग) विकल, (घ) नीचे

3. (क) सत्य, (ख) सत्य, (ग) असत्य, (घ) असत्य, (ङ) सत्य

4. (क) बालक पेड़ पर बैठकर कृष्ण (कन्हैया) बनने की इच्छा रखता है।

(ख) बालक के अनुसार डाली नीची हो जाती है।

(ग) बालक माँ से कुछ न कहकर चुपके-चुपके नीची डाली से ऊँचे पर चढ़ जाता है।

(घ) बच्चे की बंसी की आवाज़ सुनकर माँ खुश हो जाती।

5. (क) चुपके-चुपके आता,

उस नीची डाली से अम्मा

(ख) बड़े मजे से मैं बाँसुरी बजाता,

अम्मा-अम्मा कह बंसी के स्वर में तुम्हें

(ग) को माँ, तुम इतनी खुश हो जातीं,

मुझे देखने काम छोड़कर, तुम

(घ) आता देख बाँसुरी रख मैं चुप हो जाता,

पत्तों में छिपकर धीरे-धीरे से फिर बाँसुरी

भाषा की बात

1. (क) पुलिस को देखकर चोर भाग गया।

आज हमने स्कूल में भाग करना सीखा।

(ख) हमारा घर उत्तर दिशा की ओर है।
मैंने अध्यापिका के सभी प्रश्नों के उत्तर दिये।

(ग) वात की अधिकता के कारण दादाजी के घुटनों में दर्द हो रहा है।
मैं फोन पर ज्यादा देर तक बात नहीं कर सकती।

(घ) किसान ने खेत में हल चलाया।
भगवान के पास हमारी हर समस्या का हल है।

(ङ) माँ फिल्म का दूसरा अंक नहीं देख पायी।
हिंदी की परीक्षा में मैंने अच्छे अंक प्राप्त किये।

2. मृत्यु — रोना
अयोग्य — आरंभ
मांसाहारी — दुर्भाग्य

3. चाँद — अंक
ग्राम — शब्द
परिवार — भारत

4. डालियाँ — पत्ते
मिठाइयाँ — आँखें
खिलौनें — टहनियाँ

रचनात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें-

पाठ - 16 क्षमाशीलता का महत्तव

1. क. (ब) ख. (स) ग. (अ)
2. (क) गिराने, (ख) आँधी, (ग) लेट, (घ) आँखों
3. (क) सभी बच्चों ने गौरव से कहा।
(ख) सुमित ने गौरव से कहा।
(ग) गौरव ने राकेश से कहा।
(घ) राकेश की माँ ने राकेश से कहा।
(ङ) डॉक्टर ने राकेश की माँ से कहा।
(च) बच्चों ने एक-दूसरे से कहा।
(छ) असलम ने वैभव से कहा।
(ज) राकेश ने सुमित और गौरव से कहा।

4. (क) राकेश ने गौरव को गिराने के लिए उसके रास्ते में एक पत्थर रख दिया। गौरव गीत गाता हुआ चल रहा था। अत: वह पत्थर नहीं देख सका। और गिर गया।

(ख) राकेश अपने मजे के लिए और गौरव का मजाक बनाने के लिए उसे गिराना चाहता था।

(ग) गौरव ने राकेश की मदद की।

(घ) आँधी आने पर सभी बच्चे अपने घर की ओर भागते हैं।

(ङ) राकेश की आँखों में आँधी आने की वजह से मिट्टी भर गयी थी। उसकी आँखों में बहुत दर्द था और उसकी आँखें नहीं खुल रही थीं। इसलिए डॉक्टर साहब उसके घर आए थे।

(च) राकेश गौरव से मॉफी माँगने के लिए उसके घर की ओर जाता है परंतु रास्ते में ठोकर खाकर गिर जाता है। गौरव उसे देख लेता है और उठाता है। इस घटना ने राकेश का ह्रदय परिवर्तन कर दिया।

भाषा की बात

1. (क) पिता, (ख) माली, (ग) धोबी, (घ) बहन,
   (ङ) सेठानी, (च) देवरानी

2. रुकावट मनुष्यता
   पढ़ाई उदारता
   कायरता ममता

रचनात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें-

पाठ - 17 भारतभूमि

1. क. (द) ख. (स) ग. (स) घ. (अ)
2. (क) बढ़कर, (ख) गाकर, (ग) इतराते, (घ) देव, (ङ) लद
3. (क) सत्य, (ख) सत्य, (ग) सत्य, (घ) सत्य
4. (क) देशभक्त को अपनी मातृभूमि की महिमा और यश गाकर सुख मिलता है।

(ख) संसार में सबसे अधिक पावन भारत की नदियाँ है।

(ग) भारत में शीत, ग्रीष्म, बसंत, पतझड़, वर्षा, शरद ऋतुएँ आती-जाती रहती हैं।

(घ) भारतवर्ष में अतिथियों को भगवान समान समझा जाता है।

(ङ) कवयित्री की कामना यह है कि वह हर जन्म में भारत में ही पैदा हों

तथा यहाँ की मातृभूमि के कुछ काम आ सकें।

भाषा की बात

1. (क) देशद्रोही, (ख) अपयश, (ग) पाताल, (घ) मृत्यु,
   (ङ) संकुचन, (च) दानव, (छ) अनेक
2. (क) वैज्ञानिक आविष्कार करके देश का नाम ऊँचा करते हैं।
   (ख) उन दिनों फल ही उनका भोजन थे।
   (ग) वे फल उसने स्वामी जी को भेंट किए।

रचनात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें-

जीवन कौशल

क. (अ) ख. (अ)

पाठ - 18 मुन्नू की डायरी

1. क. (अ) ख. (अ) ग. (अ) घ. (अ)
2. (क) प्रिय, (ख) नाराज़, (ग) घूमने, (घ) अंताक्षरी
3. (क) सत्य, (ख) असत्य, (ग) सत्य, (घ) असत्य, (ङ) सत्य
4. (क) डायरी में साधारण बातें लिखी जाती हैं।
   (ख) डायरी में अपने दिनभर के अनुभव लिखे जाते हैं।
   (ग) डायरी कोई भी लिख सकता है।
   (घ) विपिन ने ग्रीटिंग कार्ड देखा।
   (ङ) लेखक के घर लेखक की मौसी आने वाली थी।

भाषा की बात

1. (क) (v), (ख) (vi), (ग) (vii), (घ) (ii),
   (ङ) (viii), (च) (iv), (छ) (iii), (ज) (i)
2. (क) पिताजी ने नीले रंग की कार खरीदी।
   (ख) मेरी माँ हमेशा मुझे अच्छी-अच्छी बातें सिखाती हैं।
   (ग) मुझे क्रिकेट खेलना पसंद है।
   (घ) नरेंद्र मोदी जी मेरे प्रिय नेता हैं।
   (ङ) दीपावली के त्योहार पर बाज़ारों की रौनक देखने लायक होती है।

रचनात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें-

पाठ - 19 इनसे सीखो

1. (क) फूल हमें रोज़ हँसना सिखाते हैं।
   (ख) पेड़ों की डालियाँ हमें सिर झुकाना सिखाती हैं अर्थात हमें अपने से बड़ों के सामने शीश झुकाना चाहिए।
   (ग) दूध और पानी हमें आपस में मिल-जुलकर रहने की सीख देते हैं।
   (घ) सूरज की किरणों से हमें सुबह जल्दी जागने की और दूसरों को भी जगाने की शिक्षा मिलती है।
   (ङ) मछली से हम अपने देश के लिए जान देना सीख सकते हैं।
2. भँवरा फूलों पर मंडराता है और गुंजन करता है।
   फूल हमें खुशबू देते हैं।
   बादल बरसात करते हैं।

पाठ - 20 असोम

1. क. (अ) ख. (ब) ग. (अ) घ. (द)
2. (क) सरल, (ख) विदेशी, (ग) बाँसुरी, (घ) म्यांमार
3. (क) सत्य, (ख) सत्य, (ग) सत्य, (घ) सत्य, (ङ) सत्य
4. (क) कामाख्या मंदिर का संबंध शैव तांत्रिकों एवं जादू-टोनों से माना जाता है।
   (ख) असोम की चाय विश्वभर में प्रसिद्ध है।
   (ग) चावल, जूट, ईख, मकई, कपास, राई व सरसों असोम की प्रमुख फसलें हैं यहाँ के प्रमुख पशु हाथी, गैंडे, चीते, रीछ और हिरण हैं।
   (घ) म्यांमार (बर्मा) की ओर से आयी एक जाति जो 'अहोम' कहलाती थी, ने यहाँ सैकड़ों वर्षों तक शासन किया। उसी जाति के नाम पर असोम का नाम आधारित है।
   (ङ) 'बिहू' असोम का प्रमुख त्योहार है। इस दिन सभी असोम निवासी नाचते-गाते एवं खुशियाँ मनाते हैं। मणिपुर नृत्य इसी प्रदेश की देन है।
5. (क) भारतीय संस्कृति बहुत महान है।
   (ख) पेड़-पौधों को काटने से मृदा अपरदन होता है।
   (ग) निशा के परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है।
   (घ) ताजमहल अपनी सुंदरता के लिए उल्लेखनीय है।

भाषा की बात

1. नदियाँ, राज्य, पहाड़ियाँ, जनजातियाँ,
   कारखाने, वन, जंगल, फसलें

2. (क) यहाँ लोगों द्वारा चाय उत्पन्न की जाती है।

(ख) यहाँ लोगों द्वारा लोकनृत्य किया जाता है।

3. (क) ब्रह्मपुत्र पूर्व दिशा में बहती है।

(ख) यहाँ जन-जीवन की झाँकी मिल जाती है।

(ग) हम इस राज्य के बारे में जानें।

(घ) यह एक छोटा-सा शहर है।

(ङ) यहाँ चाय की पैदावार होती है।

रचनात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें-

मधुलिका हिन्दी पाठ्य पुस्तक - V

पाठ - 1 मैं बस कहता हूँ!

1. क. (स) ख. (अ) ग. (अ)
2. (क) संसार, (ख) इंसान, (ग) विष, (घ) उपवन
3. (क) कवि देवत्व और अमरत्व के स्थान पर मानवता और प्यार को स्वीकारता है।
   (ख) कवि के घर की सीमाएँ सारे संसार तक फैली हैं।
   (ग) कवि मंदिर-मस्जिद के स्थान पर आदमी देवालय में मस्तक झुकाने को तत्पर है।
4. (क) कवि के दर्द में संसार के सभी व्यक्तियों की पीड़ा को वाणी मिलती है।
   (ख) हँसते समय व्यक्ति को यह बात ध्यान में रखनी चाहिए कि उसके साथ प्रत्येक व्यक्ति हँसे-मुसकुराए चाहे वह अन्य व्यक्ति कोई दलित या गरीब ही हो। चलते समय व्यक्ति को यह बात ध्यान रखनी चाहिए कि उसके पैरों के नीचे कुछ भी कुचल न जाए, छोटे-से-छोटे जीव-जंतु से लेकर कोई काँटा भी व्यक्ति के पैरों के नीचे कुचला न जाए।
5. (क) इस पंक्ति का भाव यह है कि कवि को जहाँ भी मनुष्य के दर्शन होते हैं, वहाँ वह मंदिर का द्वार समझता है।
   (ख) इस पंक्ति का भाव यह है कि यदि हम हँसना ही चाहें तो दलितों को भी समाज में जिनका सम्मान नहीं होता है, उन्हें भी अपने साथ हँसाए और उन्हें भी अपने साथ लेकर चलें।
   (ग) इस पंक्ति का भाव यह है कि फूल केवल डाली (टहनी) का ही नहीं बल्कि पूरे बगीचे का भी हिस्सा होता है।
   (घ) इस पंक्ति का भाव यह है कि हमें इस तरह चलना चाहिए कि किसी का भी नुकसान न हो अर्थात हमारे पैरों के नीचे कुछ भी कुचला न जाए चाहें वह कोई काँटा ही क्यों न हो।

भाषा ज्ञान

1. (क) निकल रहा है, (ख) रो रहे हैं,
   (ग) पढ़ रहा है, (घ) पानी पिया,
   (ङ) खेलते हैं, (च) रहती है।
2. अन + शन = अलशन, सु + कुमार = सुकुमार,
   प्र + बल = प्रबल, क + मल = कमल,
   अ + पूर्ण = अपूर्ण, आ + चरण = आचरण

पाठ - 2 अनोखा जन्मदिन

1. क. (अ) ख. (ब)
2. (क) धूमधाम, (ख) अनाथालय, (ग) सहमति, (घ) उपहार
3. (क) नरेश के जन्मदिवस पर माँ ढेरों पकवान बनाती है।

   (ख) माँ ने नरेश से पूछा कि उसने अपने मित्रों को जन्मदिन के लिए आमंत्रित कर दिया है।

   (ग) नरेश का एक मित्र अनाथालय में रहता था।

   (घ) नरेश के मित्र ने कॉपी न लाने के लिए बहाना बनाया कि वह कॉपी लाना भूल गया है।
4. (क) प्रतिवर्ष, नरेश का जन्मदिन बड़ी धूमधाम से मनाया जाता था। माँ ढेरों पकवान बनातीं, मेहमान आमंत्रित किए जाते, बधाइयों की गूँज से आँगन भर उठता।

   (ख) नरेश ने अपने जन्मदिन पर अनाथालय जाने का निश्चय किया क्योंकि उसका एक मित्र अनाथालय में रहता था। अनाथालय से स्कूल आने की व्यवस्था तो थी किंतु कॉपी-किताबों के लिए उसके पास पैसे नहीं थे। यह सब जानकर नरेश ने अनाथालय जाने का निश्चय किया।

   (ग) नरेश अनाथ बच्चों को कॉपी-किताबें वितरित करना चाहता था।

   (घ) नरेश ने अनाथालय के अधीक्षक से अनुरोध किया कि वह अनाथालय के बच्चों को अपने हाथों से कुछ उपहार भेंट करना चाहता हैं।

   (ङ) नरेश को अपने पहले मनाए गये जन्मदिनों की अपेक्षा इस वर्ष के जन्मदिन के अवसर पर अधिक प्रसन्नता थी क्योंकि नरेश से भेंट लेकर अनाथालय के सभी बच्चों की आँखों में एक विशेष चमक उभर आयी थी। उसे लगा कि यथार्थ रूप में आज पहली बार उसने अपना जन्मदिन मनाया है।

भाषा ज्ञान

1. विकल मौत

   खर्च बनावटी

   बाँटना
2. अनाथालय, उपहार,

   कारावास, सहानुभूति,

   स्वागत, अवाक्
3. (क) से, (ख) में, (ग) पर, (घ) को, (ङ) कुछ

रचनात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करे-

पाठ - 3 निर्मल मन

1. क. (द)   ख. (ब)
2. (क) प्रकृति, (ख) अनमोल, (ग) सौंदर्य, (घ) क्रोध,
   (ङ) पारदर्शी,
3. (क) 'निर्मल मन' नामक पाठ में अनमोल यंत्र काया (शरीर) को कहा गया है।
   (ख) क्रोध, बैर, हिंसा, ईर्ष्या ये सब मन की मलिनताएँ है।
   (ग) व्यक्ति के प्रत्येक व्यवहार से उसके मन की दशा का पता चलता है।
   (घ) कबीरदास जी का जीवन इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है जो व्यक्ति अपने मन को पावन बना लेते हैं वे ही वंदनीय एवं श्रद्धा के पात्र बनते हैं।
4. (क) स्वच्छता की आदत अपनाने वाले व्यक्ति स्वस्थ व शोभाशाली तो बने ही रहते हैं, उन्हें स्वयं भी सदैव एक उल्लास व आनंद का अनुभव होता रहता है।
   (ख) मन में क्रोध, बैर, हिंसा, ईर्ष्या ये सब मलिनताएँ होती हैं। शरीर ही की भाँति जब तक मन में यह मलिनताएँ हैं, तब तक मन स्वच्छ नहीं हो सकता। स्वच्छ मन ही सुख, शांति का आधार होता है, बिना मन की स्वच्छता के उसे एकाग्र नहीं किया जा सकता। अत: व्यक्ति के प्रत्येक व्यवहार से उसके मन की दशा का पता चलता है।
   (ग) स्वच्छ मन वाला व्यक्ति सहज ही दूसरों के प्रति स्नेहभाव रखता है। सत्य उसकी वाणी का अंग ही बन जाता है। उसकी बातें सहज व सादगीपूर्ण होती हैं। वह झूठी शेखी नहीं बघारता, अंहकारपूर्ण उद्घोषणा नहीं करता। दूसरों का अपमान करके स्वयं को उच्च नहीं मानता।
   (घ) बच्चे अनायास ही दूसरों का मन मोह लेते हैं, इसका कारण उनका स्वच्छ मन है। राग-द्वेष की धूल उनके मनरूपी दर्पण पर नहीं जमी होती। इस तरह उनके व्यवहार में एक ताज़गी व उत्फुल्लता आती है।
   (ङ) अच्छी संगति तथा श्रेष्ठ साहित्य मन को स्वच्छ बनाने के उपकरण हैं। सत्य साबुन है व प्रेम पानी। इनसे नित्य प्रति मन की धूल धो देनी आवश्यक है। अत: इस प्रकार मन को स्वच्छ बनाया जा सकता है।
   (च) मनुष्य को इस महत् उत्तरदायित्व को वहन करना ही होगा कि वह तन से भी अधिक मन की देखभाल करे तभी वह उच्च लक्ष्यों तक पहुँचकर, संत या महामानव बन सकता है।

भाषा ज्ञान

1. धन–दौलत; संपत्ति चारों ओर,

   घनिष्ठ तथा गहरा संबंध स्वयं अपनी प्रशंसा करना

2. बुरी सुगंध

   अस्वच्छ विनम्र

   असुविधा स्वच्छ

   अपावन (दूषित)

3. धूलि के कण रोम के छिद्र

   ( ) मैले और कुचैले

   रूखे और बिखरें राग और द्वेष

4. अन अप

   सु प्र

   अ दुर्

जीवन कौशल

छात्र स्वयं करें–

पाठ - 4 कुबेर का खजाना

1. क. (स) ख. (स)
2. (क) रुड़की, (ख) प्रशंसा, (ग) भोजन, (घ) खजाना
3. प्रशंसा के पुल बाँधना – (तारीफ़ करना) – कक्षा में अध्यापिका ने रश्मि की प्रशंसा के पुल बाँधे।

   उत्साह की लहर – (सब तरफ खुशी हो जाना) – त्योहार पर नए कपड़े पहनकर बच्चों के मन में उत्साह की लहर दौड़ गई।

   फूट–फूटकर रोना – (बुरी तरह रोना) – दादाजी के निधन पर पिताजी फूट–फूटकर रोए।

   मुँह में जुबान न होना – (बिलकुल चुप हो जाना/ जुबान न होना) – परीक्षा में नकल करते समय अध्यापिका ने जब संजना को पकड़ा तो उसके मुँह में जुबान नहीं थी।

   रोनी सूरत – (रोता हुआ चेहरा बनाना) – अपने जन्मदिन पर अपनी मनपसंद का उपहार न पाकर अमित ने रोनी सूरत बना ली।

   आनन–फानन – (जल्दी–जल्दी में) – ऑफिस जाने के समय माँ आनन–फानन

में अपना फोन घर पर भूल गयीं।

मीठी झिड़की -(हल्की डांट-डपट) - माँ की मीठी झिड़कियों की तो मुझे आदत पड़ गई है।

4. (क) बड़े भैया का दाखिला रुड़की इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय में हो गया था।
   (ख) लेखक बड़े भैया के लिए कनस्तरी में देसी घी के लड्डू ले गया था।
   (ग) लेखक से बड़े भैया की सफेद शर्ट पर आलू की सब्जी गिर गयी जिसके कारण बड़े भैया की सफेद शर्ट पर घी व हल्दी के धब्बे लग गये थे।
   (घ) घर पर माँ की सेवा लेखक माँ के लिए सामान खरीदकर लाकर और बिस्तर आदि लगाकर करता था।

5. (क) बड़े भैया मेधावी थे तथा उनका शांत व संतुलित व्यक्तित्व था उनका वस्त्र पहनने का शालीनता भरा अंदाज तथा धीमी आवाज से पता चलता था कि वह एक कुलीन व सभ्य परिवार से हैं।
   (ख) माता जी बड़े भैया के जाने के बाद उनकी सुख-सुविधाओं के लिए चिंतित हो उठी थीं।
   (ग) लेखक ने जब हॉस्टल प्रांगण में कुछ लड़कों को अपने पर हँसते पाया तब लेखक को अपनी हास्यास्पद स्थिति का पता चला क्योंकि लेखक के एक हाथ में देसी घी के लड्डू की कनस्तरी थी तथा दूसरे हाथ में टेबल फैन था।
   (घ) मैस में लंबी-लंबी मेजों पर बड़े सुन्दर सफेद कढ़ाईदार कवर बिछे थे जिनके बीचों-बीच सब्जियों के डोंगे रखे हुए थे। साथ ही खाना-खाने के लिए साफ धुली प्लेटें रखीं हुई थीं। प्रत्येक प्लेट में एक छुरी, एक काँटा, और दो चम्मचें रखी थीं। प्लेटों में रखे छुरी- काँटे लेखक को भयभीत कर रहे थे। उन्हें काँटा पकड़ना तक नहीं आता था। लेखक को अपने भैया पर बड़ी झुंझलाहट आ रही थी।
   (ङ) भैया ने लेखक को परिश्रमी और सेवा करने वाला बताया क्योंकि लेखक सदा अपने अवगुणों के विषय में सोच-सोचकर परेशान रहता था और अपने गुणों को जानकर लेखक का उत्साह बढ़ गया।
   (च) कहानी का शीर्षक 'कुबेर का खजाना' रखने का प्रयोजन यह है कि इसमें लेखक के भैया ने उसका आत्मविश्वास बढ़ाया और खुद के प्रति सकरात्मक सोच और आस्था रखने के लिए समझाया। इन सबसे लेखक का उत्साह बढ़ा तो उसे ऐसा लगा कि उसे कुबेर का खजाना मिल गया है।

भाषा ज्ञान

उप + देश = उपदेश,	स + पूत = सपूत,
स + जीव = सजीव,	उप + हार = उपहार,
उप + वास = उपवास,	स + हर्ष = सहर्ष,
स + परिवार = सपरिवार,	उप + नाम = उपनाम

रचनात्मक गतिविधि

(क) देश की व देशवासियों की दुश्मन देशों से रक्षा करना।

(ख) देश के लिए अन्न उगाना।

(ग) मरीज़ों का उपचार करना।

(घ) छात्र-छात्राओं को पढ़ाना।

(ङ) कोर्ट का और कानून का सम्मान करना।

पाठ - 5 कर्मवीर

1. (क) कर्मवीर कभी दूसरों का मुँह नहीं ताकते क्योंकि वे अपने सभी काम स्वयं करना जानते हैं।

(ख) कर्मवीर अपने समय का सदुपयोग करने के लिए किसी भी काम को कल के लिए नहीं छोड़ते और जो एक बार सोच लेते हैं, उसे समय पर पूरा करके रहते हैं।

(ग) कर्मवीर व्यक्ति अपनी मेहनत, लगन और सफलता से औरों के लिए नमूना बन जाते हैं।

(घ) कर्मवीर मनुष्य विघ्न-बाधाओं से कभी घबराते नहीं है, बल्कि उनसे जूझने की क्षमता रखते हैं। कर्मवीर मनुष्य जंगलों में महामंगल कर देते हैं। कर्मवीर किसी कार्य को आरंभ करके बीच में नहीं छोड़ते हैं। वे कभी भी अपने समय को व्यर्थ नहीं गँवाते तथा काम करने की जगह बातें नहीं बनाते हैं। वे आज-कल करते हुए दिन नहीं गंवाते तथा यत्न करने में जी नहीं चुराते हैं। उनके लिए कोई काम असंभव नहीं होता है। वे और लोगों के लिए खुद उदाहरण बन जाते हैं।

(ङ) इस कविता के द्वारा कवि ने भारतीय लोगों को संदेश दिया है कि वे साहसी और कर्मवीर बने तथा धर्म और विज्ञान आदि के क्षेत्रों में उन्नति करें।

2. (क) इन पंक्तियों की व्याख्या इस प्रकार है कि कर्मवीर किसी के बहकावे में नही आते, मन में जो सोचते हैं वही करते हैं। वे अपने काम के लिए

किसी और पर आश्रित नहीं रहते। वे स्वयं का कार्य स्वयं ही करते हैं।

(ख) इन पंक्तियों की व्याख्या इस प्रकार है कि कर्मवीर मुसीबतों और मुश्किलों का सामना भी हँसकर करते हैं, डरते नहीं हैं। कर्मवीर अगर एक बार मन में कुछ भी करने की ठान लें तो उनके लिए कुछ भी कठिन नहीं होता।

भाषा ज्ञान

1. (क) जी चुराना – (पीछा छुड़ाना) – अगर पढ़ाई से जी चुराओगे तो कभी सफल नहीं हो पाओगे।

   (ख) दिन गवाँना – (समय नष्ट करना) – सोहन पढ़ाई न करके अपने दिन गवाँ रहा है।

   (ग) मुँह ताकना – (दूसरे पर आश्रित होना) – पार्वती ऐसी औरत है जो अपने प्रत्येक काम के लिए दूसरों का मुँह ताकती है।

   (घ) बातें बनाना – (बहाना बनाना) – अजय से जब भी कोई काम करने को कहो, वह बातें बनाने लगता है।

   (ङ) गाँठ खोलना – (मन की इच्छा प्रकट करना) – मेरे मित्र ने मेरे सामने अपने मन की गाँठ खोल दी।

   (च) लोहे के चने चबाना – (बहुत कठिन काम करना) – सरकारी नौकरी पाने के लिए राकेश को लोहे के चने चबाने पड़े।

2. | | |
   |---|---|
   | मुख | दिवस |
   | चणक | रत्न |
   | लौह | अद्य |

रचनात्मक गतिविधि

(क) दानवीर, (ख) बुद्धिवीर, (ग) युद्धवीर, (घ) दयावीर

पाठ - 6 पंचदेव

1. क. (स) ख. (स)
2. (क) सूर्यदेव, (ख) चंद्रमा, (ग) वायु, (घ) जल, (ङ) पृथ्वी
3. (क) भारत में लोग सूर्य को जल उनको नमस्कार तथा धन्यवाद करने के लिए चढ़ाते हैं।

   (ख) सूर्यदेव के संसार पर बहुत-से उपकार हैं। सूर्य देव प्रतिदिन नियमपूर्वक प्रात: आकर पूरे संसार को अपने अनमोल प्रकाश से आलोकित करते हैं। लाखों, करोड़ों बल्ब जलाकर भी ऐसा प्रकाश कर पाना असंभव है। सूर्य

देव हमें यह प्रकाश बिना किसी मूल्य के प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त उनके प्रकाश से सीलन भरे स्थानों की दुर्गंध मिटती है। पृथ्वी का कोना-कोना कीटाणुरहित हो जाता है। वनस्पतियों, पशुओं व मनुष्यों में नये प्राणों का संचार होता है।

(ग) चंद्रदेव हमें रात की ठंडक व शीतलता की मधुर अनुभूति प्रदान करते हैं। इसका ठंडा मधुर प्रकाश वनस्पतियों में रस का संचार करता है। यह सुंदरता का भंडार है। सभी सुंदर चेहरों की उपमा चाँद से दी जाती है। रात को चंद्र देव की चाँदनी के प्रकाश में आवश्यक वस्तु भी दिखायी दे जाती है। इन्ही विशिष्टताओं के कारण उन्हें इतना महत्त्व प्राप्त है।

(घ) आज के वैज्ञानिक चंद्र को एक नीरस चट्टानों का क्षेत्र या वीरान भूखंड सिद्ध करते हैं।

(ङ) पवन (वायु) ही प्राणदायक है, इसका प्रवाह ही हमें जीवन देता है। बिना रुके हर समय बहते रहना ही इस देव की कर्मसाधना है। वातावरण की गंध को अपने साथ बहा लेने जाने का गुण भी पवनदेव की अपनी विशिष्टता है।

(च) जल को जीवन का पर्याय माना जाता है क्योंकि जीवन की हर गतिविधि में उनका अद्भुत योगदान है।

(छ) पृथ्वी का विशिष्ट गुण यह है कि इसकी सहनशीलता की कोई सीमा नहीं है। इसे खोदो, कूटो या किसी भी तरह का निष्ठुर व्यवहार करो यह चुपचाप सह लेती है।

(ज) देवों की हमारी परिकल्पना श्रद्धा है क्योंकि इन सभी देवों के हम सब जीवों पर बहुत-से उपकार हैं। इन्हीं से हमारा जीवन चल रहा है।

भाषा ज्ञान

1. (क) वे, (ख) कौन, (ग) मैं, (घ) तुम, (ङ) यह, (च) उन्होंने, (छ) मुझको

2. विशेषण की परिभाषा - संज्ञा तथा सर्वनाम शब्दों की विशेषता बताने वाले शब्दों को विशेषण कहते हैं।

टमाटर	रसगुल्ला
आदमी	कीड़ा
डंडा	दवाई
लड़का	कपड़ा

रचनात्मक गतिविधि

छात्र स्वयं करें-

पाठ - 7 रंग-रंगीला राज्य पंजाब

1. क. (स)   ख. (अ), (ब)
2. (क) मिलनसार,   (ख) गेहूँ,   (ग) बैसाखी,
   (घ) शान,   (ङ) पॉप म्यूजिक,
3. (क) गेहूँ उत्पादन में पंजाब का हमारे देश में द्‌वितीय स्थान है।
   (ख) पंजाब का संबंध सतलुज, रावी, व्यास, झेलम और चिनाव नदियों से है।
   (ग) लंगर वह भोज है, जिसमें सभी लोग धनी, निर्धन, ऊँची व निम्न जाति के लोग मिल-जुलकर एक ही पंक्ति में जमीन पर बैठकर भोजन करते हैं।
   (घ) पंजाबियों के मुख्य पर्व लोहड़ी और बैसाखी है।
4. (क) चंडीगढ़ एक अत्यंत सुंदर व भव्य शहर है। यहाँ के उद्‌यानों व स्वच्छ वातावरण से आकर्षित होकर अनेक लोग यहाँ पर्यटन के लिए आते हैं। चंड़ीगढ़ एक सुसंस्कृत, कलात्मक व समृद्‌ध शहर है। यह पंजाब का गौरव है।
   (ख) पंजाब के पुरुष प्राय: लुंगी, ढीला कुर्ता और सिर पर पगड़ी बाँधते हैं तथा स्त्रियाँ सूट, सलवार तथा सिर पर दुपट्‌टा ओढ़ती हैं।
   (ग) सिक्खों का पूजास्थल गुरुद्‌वारा कहलाता है। यहाँ पर 'गुरु ग्रंथसाहब' के सम्मुख सभी आने वाले शीश नवाते हैं। गुरु ग्रंथसाहब में संत गुरुओं द्‌वारा रचित वाणी का संग्रह है। इसमें गाये जाने वाले पदों को 'सबद' कहा जाता है। इन वाणियों में निराकार ईश्वर की महिमा एवं सत्य के मधुर उपदेश हैं। गुरुद्‌वारे में आने वालों को अपना सिर कपड़े से ढकना पड़ता है।
   (घ) देश की सीमा की रक्षा 'सिक्ख रेजीमेंट' अपनी बहादुरी के लिये विशेष रूप से जाना जाता है। पाकिस्तान से हुए युद्‌ध के दौरान पंजाब के सिक्ख वीर मातृभूमि के लिये शहीद हुए। देश के 'बॉर्डर' पर सिक्ख रेजीमेंट के वीर योद्‌धा हमारे देश की सीमाओं के सजग प्रहरी हैं।
   (ङ) पंजाब में मुख्य तौर पर जो समुदाय निवास करता है, उन्हें सिक्ख कहा जाता है। वास्तव में 'सिक्ख' शब्द 'शिष्य' शब्द का परिवर्तित रूप है। गुरु नानकदेव ने यह गुरु सिक्ख (शिष्य) परंपरा चलाई थी। सिक्खों के लिए 'केश', 'कड़ा', 'कंघा', 'कृपाण', व 'कच्छा' इन पाँच वस्तुओं को धारण करना अनिवार्य है।

भाषा ज्ञान

1. (क) दूध की नदियाँ बहना-
   (धन-दौलत से पूर्ण होना) - जतिन की बेटी होने के बाद उसके घर में दूध की नदियाँ बह गई हैं।

(ख) डटकर खाना–

(बहुत अधिक खाना) – कई लोग शादियों में डटकर खाना खाते हैं।

(ग) आसमान सिर पर उठाना–

(बहुत अधिक उत्पात मचाना) – बच्चों को जब भूख लगती है तो वे आसमान सिर पर उठा लेते हैं।

(घ) खून खौलना–

(क्रोधित होना) – छात्रों का शोर सुनकर अध्यापक का खून खौल गया।

2. आज़ाद प्रसन्नता
   आसान ज़िंदगी
   अधिक

3. (क) (iii), (ख) (iv), (ग) (v), (घ) (ii), (ङ) (i)

4. (क) ध्यान, (ख) व्यय, (ग) सख्त, (घ) स्वतंत्रता।

5. कर्म, धर्म, वर्ग, गर्व
   ट्रंक, ट्रेन, ड्रॉन
   भ्रम, प्रकार, प्रयोग, द्रविड़

6. सरलता, नैतिकता, वास्तविक

पाठ - 8 करूणा एवं क्रूरता

1. क. (स) ख. (अ)

2. (क) चालीस, (ख) मस्ती, (ग) प्रयोजन, (घ) व्यायाम

3. पलक झपकते– (थोड़े समय में) – पलक झपकते ही हवाई जहाज हवा में उड़ गया।

   भला चंगा होना– (पूर्ण रूप से स्वस्थ) – नौकर ने बीमारी का बहाना बनाकर काम से छुट्टी ले ली जबकि वह भला चंगा बाजार में घूम रहा था।

   अंकुश लगाना– (रोक लगाना) – पिताजी ने छोटे भाई के खर्च पर अंकुश लगा दिया।

   कोसों दूर– (बहुत दूर) – आर्थिक परेशानी के चलते माँ की नींद तो कोसों दूर भाग गयी थी।

   शरण में जाना– (आश्रय लेना) – हमें सुख–दु:ख में सदैव भगवान की शरण में जाना चाहिए।

4. (क) प्रधानाचार्य का पुत्र अमेरिका में वैज्ञानिक है।

(ख) प्रधानाचार्य ने कहा – ''हाँ, आज मेरा मूड बड़ा खराब है।''

(ग) एक ट्रक भरकर बंदर चालीस हजार रुपये में खरीदे गये थे।

(घ) प्राचीन आयुर्वेद की चिकित्सा पद्धति जानवरों पर की जाने वाली हिंसा से दूर है।

5. (क) प्रधानाचार्य के बेटे को अनुसंधान के लिए बंदरों की आवश्यकता थी। वह अपने बेटे को अमेरिका में बंदर भिजवा रहे थे। यह सब सुनकर लेखक का हृदय उदास हो गया।

(ख) कॉलिज के प्रधानाचार्य परेशान दिखायी देते थे क्योंकि उनका बहुत नुकसान हो गया था। उन्होंने एक ट्रक भरकर बंदर चालीस हजार रुपये में खरीदे थे। रास्ते में न जाने कैसे बंदरों ने पिंजरे का कुंडा खोल दिया और सभी बंदर भाग गए।

(ग) असंयमी और लापरवाही से जब मनुष्य अनेक रोगों का शिकार हो जाते हैं तो वे अंधाधुंध डॉक्टरों की शरण में जाते हैं। वे चाहते हैं कि चिकित्सक उन्हें तुरंत ही भला-चंगा कर दें। चिकित्सक भी बाजार में उपलब्ध ऐसी दवाइयों को झटपट लिख देते हैं जो रोगी को तात्कालिक आराम दे दे, भले ही दीर्घ अवधि में उन दवाइयों के कुप्रभाव से कोई अन्य रोग उस व्यक्ति को जकड़ ले। इस प्रकार से यह दुष्चक्र चलता ही रहता है।

(घ) मनुष्य को संवेदनशील बनाना ही समस्त साहित्य व धर्म का मूल प्रयोजन है।

(ङ) वैज्ञानिक अनुसंधानों के नाम पर बेदर्दी से बंदरों के अंगों को काटा-चीरा जाता है। दवाइयों के परीक्षण कर-करके स्वस्थ बंदरों को भी बीमार बना दिया जाता है।

भाषा ज्ञान

1.

	विशेषण	विशेष्य
(क)	लंबे	समय
(ख)	खाली	हाथ
(ग)	प्राचीन	काल
	पूर्वी	भारत
(घ)	सुसज्जित	रथ

2.

पंच	शिर
भ्राता	कर्म
हस्त	स्वप्न

लेखन कौशल

इस दोहे का अर्थ हे कि बिना सोच और विचार के जो कोई भी व्यक्ति काम करता है, वह बाद में पछताता है। ऐसा करने से एक तो उसका काम बिगड़ जाता है, दूसरे संसार में उसकी हंसी होती है। अर्थात् सब लोग उसका मजाक बनाते हैं।

पाठ - 9 दोहे व पद

1. क. (स) ख. (ब) ग. (अ)
2. थोड़े कुछ
   भेष शेष
   मन महेश
   अमृत गणेश
   शरणागत तोता
3. (क) 1. दादी के संदूक की चाबी हमेशा उनकी गाँठ में रहती थी।
   2. दूल्हा और दुल्हन को शादी की गाँठ में बंधने पर बधाई मिली।
   (ख) 1. पिताजी के जन्मदिन पर उन्हें नई घड़ी भेंट की गई।
   2. जब घड़ी आएगी तब काम होते देर न लगेगी।
   (ग) 1. राघव बस से स्कूल जाता है।
   2. सीमा बहुत नासमझ है, उसको समझाना मेरे बस में नहीं है।
   (घ) 1. सोना एक बहुमूल्य धातु है।
   2. बालक बहुत थक गया है; अब वह सोना चाहता है।
4. गाँठ बाँधना - (खूब याद रखना) - बड़ों की कही हुई बात को अगर हम गाँठ बाँध लें तो हमें पछताना नहीं पड़ेगा।
   समय रहते जागना - (होश में आना) - बबीता अपनी नौकरानी पर बहुत विश्वास करती थी पर उसे स्वयं चोरी करते देख वह समय रहते जाग गई।
   दाँत खट्टे करना - (हराना) - भारतीयों ने स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजो के दाँत खट्टे कर दिये।
   चाँदी काटना - (खूब कमाई करना) - ठंड के कारण लोग बीमार पड़ते हैं और इससे डॉक्टर चाँदी काटते हैं।
5. पुस्तकालय, महार्षि, शिवालय, सप्तर्षि
6. (क) रहीम दास जी विपत्ति को भली मानते हैं क्योंकि इसे झेलते हुए मनुष्य अच्छे दिनों की प्रतीक्षा करता है। विपत्ति हमेशा के लिए तो नहीं रहती, यह थोड़े दिन की ही मेहमान होती है।

(ख) प्रेम का धागा जब टूट जाता है तो दुबारा जोड़ने पर उसमें गांठ पड़ जाती है।

(ग) कवि के अनुसार सबसे दौड़कर मिलना चाहिए क्योंकि भगवान किसी भी रूप में हमारे सामने प्रकट हो सकता है। इसीलिए कोई मिल जाए तो उसकी अवहेलना करना अनुचित है। सबसे उत्साहपूर्वक मिलना चाहिए।

(घ) रहीम दास जी के अनुसार यदि कोई बुलाकर मानसहित विष भी पिलाए तो उसे पी जाना चाहिए।

(ङ) रसखान कवि ने कौए के भाग्य की सराहना की है क्योंकि वह कृष्ण के हाथ से मक्खन और रोटी छीनकर ले गया है। अर्थात् कृष्ण की जूठी मक्खन-रोटी खाने का अवसर जिसको प्राप्त हो गया, वह धन्य है।

(च) अहीर की लड़कियाँ कृष्ण को प्रेम से वशीभूत कर नाचने के लिए विवश कर देती हैं।

काव्य-बोधः

7. (क) इस दोहे का भावार्थ यह है कि रहीम कहते हैं कि यदि विपत्ति कुछ समय की हो तो वह भी ठीक ही है, क्योंकि विपत्ति में ही सबके विषय में जाना जा सकता है कि संसार में कौन हमारा हितैषी है और कौन नहीं। अर्थात विपत्ति कल्याणकारी होती है क्योंकि यह थोड़े दिनों की मेहमान होती है किंतु तब तक यह तो सबको पता चल जाता है कि जगत में कौन हितकारी अथवा अहितकारी है।

(ख) इस दोहे का भावार्थ यह है कि रहीम कहते हैं कि इस जग में वास करते हुए सभी से नेक आचरण करना चाहिए। कोई मिल जाए तो उसकी अवहेलना करना अनुचित है। सबसे उत्साहपूर्वक मिलना चाहिए क्योंकि यह निश्चित नहीं है कि न जाने किस रूप में नारायण सामने आ खड़े हों।

(ग) इस पद का भावार्थ यह है कि रसखान कहते हैं कि जिस कृष्ण के गुणों का शेषनाग, गणेश, शिव, सूर्य, इंद्र, निरंतर स्मरण करते हैं। वेद जिसके स्वरूप का निश्चित ज्ञान प्राप्त न करके उसे अनादि, अनंत, अखंड, अछेद्म आदि विशेषणों से युक्त करते हैं। नारद, शुकदेव और व्यास जैसे प्रकांड पंडित भी अपनी पूरी कोशिश करके जिसके स्वरूप का पता न लगा सके और हार मानकर बैठ गए, उन्हीं कृष्ण को अहीर की लड़कियाँ थोड़ा-थोड़ा मक्खन दिखाकर नाचने को कहती हैं और वह नाचते भी हैं।

पाठ - 10 जीने का तरीका

1. क. (स), ख. (अ)

2. (क) फारले, (ख) भूख, (ग) ज़्यादा, (घ) बगल, (ङ) गंदगी

3. (क) (बदलाव आना) - जब से मोहित विदेश से आया है, उसका रंग बदल गया है।

   (ख) (छोटी-सी बात) - विजय ने हलकी-फुल्की बात पर ही बहुत तमाशा कर दिया।

   (ग) (शारीरिक एवं मानसिक रूप से अच्छा होना) - नहा-धोकर बालक तरोताज़ा दिख रहा है।

   (घ) (आशा छोड़ देना) - परीक्षा के लिए इतनी मेहनत करने के बाद भी राहुल ने उत्तीर्ण होने की उम्मीद छोड़ दी।

4. (क) 'कोई खास बात, जो आप मुझे बताना चाहें' डॉक्टर का कथन है।

   (ख) 'जीने का तरीका' पाठ के लेखक टी० एसं० आर्थर हैं।

   (ग) डॉक्टर साहब की गाड़ी मे ंबाहर घूमने के लिए मिसेज चार्लटन गयी थी।

   (घ) नौकरानी ने मिसेज चार्लटन को शॉल लाकर दिया।

5. (क) डॉक्टर की दूसरी मरीज के शरीर में इतनी ताकत नहीं थी कि वह उठकर खड़ी होती। उसने डॉक्टर के हर सवाल का जवाब हँसते हुए दिया; जबकि वह ठीक से बोल भी नहीं पा रही थी।

   (ख) पहली बात पूछने पर मिसेज चार्लटन ने डॉक्टर को अपना हाल बुरा बताया। मिसेज चार्लटन ने बताया कि वह खुद को बड़ा कमजोर महसूस कर रही हैं वह खुद से खड़ी नहीं हो सकती हैं। उन्हें लगता है कि उनसे ज्यादा ताकत तो किसी बच्चे में होगी।

   (ग) दूसरी रोगिणी स्त्री जिंदादिल स्वभाव की थी क्योंकि उनकी ज़िदगी में बहुत सारी परेशानियाँ होने के कारण भी वह डॉक्टर के हर सवाल का जवाब हँसते हुए दे रही थी।

   (घ) डॉक्टर द्वारा घूमने के प्रस्ताव पर मिसेज चार्टलन ने टिप्पणी की कि लोग उनके बारे में क्या सोचेगे।

   (ङ) मिसेज चार्टलन की बीमारी का वास्तविक कारण उनका घर में बेकार बैठना था।

भाषा ज्ञान

1. (क) भागते-भागते, (ख) भूख-प्यास,

   (ग) धीरे-धीरे, (घ) बार-बार

2. (क) रहस्य- चोर ने पुलिस के सामने अपने कई राज़ खोले।

	अधिकार, काल, समय -	दादाजी के राज में हमने बहुत सुख भोग लिया।
(ख)	किसी चीज़ का हिस्सा -	चारों भाइयों के भाग में ज़मीन का एक-एक टुकड़ा आया।
	किस्मत -	प्रत्येक व्यक्ति अपना भाग्य खुद बनाता है।
(ग)	किसी वस्तु की खरीद - का दाम	आपके साथ सौदा करने में हमारा पड़ता नहीं खाएगा।
	पढ़ाई करना	मैं दिन में सात-आठ घंटे पढ़ता हूँ।

पाठ - 11 वार्ता और विवाद

1. क. (ब) ख. (स)
2. (क) संतोष, (ख) नाक, (ग) साधना, (घ) सराहनीय
3. (क) देवी लक्ष्मी मनुष्य की इस प्रवृत्ति पर खेद व्यक्त करती है कि वह मनुष्य को उसकी आशा से भी अधिक धन दे देती हैं तो वह मदिरापान, धूम्रपान, जुआ आदि व्यसनों में पड़कर नीच बन जाता है। मनमाने दुष्कर्म करता है।

   (ख) देवी सरस्वती का मार्गदर्शन पाने से वे व्यक्ति वंचित रहते हैं जो सैकड़ों प्रकार की आधि-व्याधियों से ग्रस्त होने के बावजूद भी अधिक-से-अधिक भोग करने की कामना करते हैं। उन्हें हर स्थिति में केवल लक्ष्मी कृपा पाने की धुन लगी रहती है।

   (ग) दोनों देवियों की वार्त्ता विवाद का रूप लेने लगी क्योंकि वे दोनों आत्मप्रशंसा कर रही थी।

   (घ) माँ सरस्वती इस बात पर आश्चर्य प्रकट करती हैं कि मनुष्य चंद्रलोक तक घूम चुका है, अनेकों अविष्कार कर चुका है, निरंतर सुख-साधनों में वृद्धि कर रहा है, फिर भी हताश व दुःखी है।

   (ङ) लक्ष्मी जी ने नारद जी से कहा कि उनकी विनम्रता सचमुच सराहनीय है। उन्होंने जो कहा वह मनन करने योग्य है। उन्होंने सत्य का उद्घाटन करके लक्ष्मी जी को अहंकारी बनने से बचा लिया। लक्ष्मी जी ने नारद को सच्चा भक्त कहा।

   (च) 'धन में ही सुख है' इस भ्रम के टूटने पर व्यक्ति देवी सरस्वती की शरण में आते है।

   (छ) नारद ने सृष्टि की विशेषता का उल्लेख करते हुए कहा कि सृष्टि में एक अणु से लेकर अंतरिक्ष तक हर वस्तु, व्यक्ति व पदार्थ दिव्य है। सबका

अपना-अपना महत्त्व व स्थान है। किसी को किसी से तुलना करने की आवश्यकता ही नहीं है? साधारण-से-साधारण कहे जाने वाले प्राणी भी अपनी एक विलक्षणता रखते हैं।

भाषा ज्ञान

1. नाक रगड़ना - (विनती करना) - चोर ने कई बार नाक रगड़कर माफी मांगी परंतु पुलिस ने उसे नहीं छोड़ा।

   ज्ञान का उजाला - (शिक्षा का प्रकाश) - ज्ञान के उजाले से ही चरित्र निर्माण किया जाता है।

   दो कौड़ी का होना - (तुच्छ या अविश्वसनीय व्यक्ति) - हार्दिक दो कौड़ी का आदमी है, उस पर विश्वास मत करना।

   निहाल करना - (प्रसन्न करना) - रमेश के व्यवहार ने हमें निहाल कर दिया।
   जय-जयकार होना - (प्रोत्साहन देना) - भारतीय क्रिकेट खिलाड़ियों के मैच जीतने पर उनकी जय-जयकार की गई।

2. सुसज्जित, सुकुमार, सुव्यवस्थित, सुपुत्र

3.

	संज्ञा	सर्वनाम	विशेषण
(क)	विद्यालय	वह	
(ख)	रोहन, विद्यार्थी		होशियार
(ग)	फूल		सफेद
(घ)	अध्यापक	हम	
(ङ)	पौधे, सूर्य, प्रकाश, भोजन		हरे

पाठ - 12 चाहता हूँ

1. क. (द) ख. (ब) ग. (अ)
2. (क) समर्पित, (ख) अर्पित, (ग) आशीष, (घ) सुमन
3. (क) 'चाहता हूँ' कविता के कवि रामावतार त्यागी हैं।

   (ख) कवि देश की धरती को अपना मन, तन और धन अर्पित करना चाहता है।

   (ग) कवि मातृभूमि से देशरक्षा के लिए आशीर्वाद माँगता है क्योंकि उसने स्वयं को भारत माता के चरणों में अर्पित कर दिया है और वह अपना सब कुछ देश के लिए न्योछावर करना चाहता है।

   (घ) इस कविता में कवि के हृदय का देशप्रेम का भाव प्रकट हो रहा है।
4. (क) इन पंक्तियों से कवि का आशय है कि मेरा मन भी और प्राण भी

मातृभूमि को समर्पित है, मेरे रक्त का एक-एक कण तुम्हें समर्पित है।

(ख) इन पंक्तियों से कवि का आशय है कि मैं अपने घर-परिवार एवं सुख-भोग के मोह के बंधनों को तोड़ता हूँ। इसलिए मेरे अपने लोग मुझे क्षमा दें। मेरे गाँव, घर-द्वार, आँगन आदि सब मुझे क्षमा दें।

(ग) इन पंक्तियों से कवि का आशय है कि हे मेरी मातृ-भूमि! तुम मुझसे फूल के समान जीवन के सुख ले लो। वह बगीचे के समान भू-भाग ले लो। मैं अपने घोसले का अर्थात् अपने आश्रय का एक-एक तिनका तुम्हें समर्पित कर रहा हूँ।

भाषा ज्ञान

1.	मृत्यु	धूप
	आकाश	दंड
	धनाढ्य	दाँया
	धनी	मुक्ति
2.	धरा	भू
	आसमान	नभ
	फूल	पुष्प
	हस्त	कर

3.	विशेषण	क्रिया-विशेषण
(क)		
(ख)	सुपर फास्ट	तेज
(ग)	नीले	
(घ)		बहुत जल्दी
(ङ)	काला	

पाठ - 13 महान वैज्ञानिक : जगदीश चंद्र बसु

1. क. (अ)   ख. (अ)
2. (क) चिकित्सक, (ख) सर, (ग) रेडियो, (घ) नावांबार
3. (क) (ना), (ख) (हाँ), (ग) (हाँ), (घ) (ना), (ङ) (हाँ)

4.	उदय	अप्रभाव
	आनंद	अमृत
	अंत	क्रिया
	विस्तार	सामान्य
	अप्रसन्न	विध्वंस

5. (क) जगदीश चंद्र बसु का जन्म 30 नवंबर 1858 में पूर्वी बंगाल में हुआ था।

(ख) बसु ने सूक्ष्म निरीक्षण व विविध परीक्षणों द्वारा यह सत्य संसार के सम्मुख उद्घाटित किया कि पेड़-पौधे भी हमारी ही भाँति साँस लेते, भोजन करते, सुख-दु:ख का अनुभव करते, प्रसन्न एवं भयभीत होते हैं।

(ग) बसु ने रेडियो तरंगों पर अपना अध्ययन बीच में ही छोड़ दिया क्योंकि उनकी रूचि भौतिकी से वनस्पति जगत की ओर हो गयी।

(घ) वैज्ञानिक शोध के प्रति जगदीश चंद्र बसु का लगाव चरम सीमा पर था। उसी उद्देश्य के लिये अपनी सारी सम्पत्ति देकर उन्होंने 'बसु विज्ञान मंदिर' को बनवाया। इस मंदिर में उनके द्वारा बनाये गये अनेकों आश्चर्यजनक यंत्र संगृहीत हैं।

(ङ) बसु ने सिद्ध करके दिखाया कि वृक्ष के स्नायु भी मनुष्य के हृदय की ही भाँति धड़कते हैं। पर इन दोनों में समय की अवधि का भेद है। मनुष्य का हृदय एक मिनट में अनेकों बार धड़कता है जबकि वृक्ष का एक मिनट में एक ही बार स्नायु संकुचन तथा विस्तार होता है।

क्लोरोफॉर्म का जैसा प्रभाव मनुष्य पर पड़ता है, ठीक, वैसा ही प्रभाव वृक्ष की चेतना पर भी पड़ता है। यदि मनुष्य को क्लोरोफॉर्म सुँघा कर बेहोश कर दिया जाए तो उसे शारीरिक पीड़ा का अनुभव नहीं होता, भले ही उस समय उसका कोई अंग ही क्यों न काट लिया जाए। इसी प्रकार क्लोरोफॉर्म देकर वृक्ष को काटा जाए तो उसे भी पीड़ा नहीं होती। इन तथ्यों को बसु ने सबके सामने सिद्ध करके दिखाया।

भाषा ज्ञान

1. प्रारंभिक, वैज्ञानिक, प्रमाणिक, वैचारिक,
   दार्शनिक, बौद्धिक

2. अद्भुत — अद्भुत
   जड़ — शारीरिक
   सूक्ष्म — प्रारंभिक

रचनात्मक गतिविधि

डॉ० अब्दुल कलाम आजाद जो मिसाइल मैन और जनता के राष्ट्रपति नाम से भी जाने जाते हैं। वे भारत के पूर्व राष्ट्रपति, जाने-माने वैज्ञानिक और इंजीनियर के रूप में विख्यात थे। देश में बैलेस्टिक मिसाइल और प्रक्षेपण यान प्रौद्योगिकी के विकास के कार्यों के लिए इन्हें 'मिसाइल मैन' के रूप में जाना जाता है।

पाठ - 14 भारतीय संस्कृति का प्रतीक : अक्षरधाम

1. क. (द) ख. (ब) ग. (स)

2. (क) यमुना, (ख) भक्ति, (ग) मयूर, (घ) हाथियों,
   (ङ) संगीतमय

3. (क) एक सौ एकड़ भूमि पर बने अक्षरधाम मंदिर पर कितने रुपये खर्च हुए हैं?
   (ख) पूरा मंदिर किससे बना है?
   (ग) कुल कितनी मूतियाँ इस मंदिर की दीवारों- खंभों आदि को सुसज्जित कर रहीं है?
   (घ) मंदिर के नारायण सरोवर में कितनी नदियों के पवित्र जल का संगम है?

4. (क) स्वामीनारायण अक्षरधाम मंदिर दिल्ली में यमुना के किनारे स्थित है।
   (ख) मंदिर में प्रवेश दो मयूर द्‌वारों द्‌वारा होता है।
   (ग) नहीं, इस मंदिर के मुख्य भवन के निर्माण में स्टील का इस्तेमाल नहीं हुआ है।
   (घ) नारायण सरोवर में 151 नदियों के पवित्र जल का संगम है।
   (ङ) अक्षरधाम मंदिर शाम को 6 बजे बंद होता है।

5. (क) यह मंदिर 'पिंक सैंड स्टोन' और 'सफेद मारबल' से बना है। गुलाबी पत्थर भक्ति का प्रतीक है और सफेद मारबल शांति का प्रतीक है।
   (ख) दिल्ली स्थित अक्षरधाम मंदिर को बनने में पाँच वर्ष का समय व सात हजार कर्मियों का श्रम लगा।
   (ग) नारायण सरोवर में 151 नदियों के पवित्र जल का संगम है। जहाँ भगवान स्वामीनारायण गए थे। यहाँ बने हैं 108 गोमुख, जो देवताओं के 108 नामों की पहचान बने हैं।
   (घ) अक्षरधाम को देखकर भारत के विषय में पता चलता है कि भारत का अतीत भी गौरवशाली और भव्य था।
   (ङ) अक्षरधाम में घूमने के लिये स्कूल के छात्रों एवं वृद्‌ध लोगों को रियायतें दी जाती हैं और यहाँ वे प्रदर्शनी, संस्कृति विहार, संगीतमय फव्वारे व चलचित्र देख सकते हैं।

भाषा ज्ञान

1. (क) उसने दो रुपये में दो आम खरीदे।
   (ख) क्या आप रोज समय पर उठते हो?
   (ग) आगरा का बादशाह 'अकबर' एक महान शासक था।

(घ) राम ने हरि से कहा, "आप कहाँ रहते हो?"

(ङ) अरे! कितनी ऊँची इमारत है।

2. (क) विष्णु : गोविंद, पीतांबर

(ख) शिव : महेश नीलकंठ

(ग) ब्रह्मा : विधाता निर्माता

(घ) उपवन : बाग बगीचा

(ङ) हाथी : गज हस्ती

3. (क) किसी भी प्रकार दु:ख मनुष्य को चिंता की ओर ले जाता है।

(ख) विज्ञान की खोज की गई है परंतु साहित्य का आविष्कार किया गया है।

(ग) अमित को सुख-सुविधा में रहने की आदत है।

(घ) वेद-पुराण ब्रह्मा जी द्वारा रचित हैं।

पाठ - 16 गुरुभक्त आरुणि

1. (क) आरुणि एक गुरुभक्त बालक था।

(ख) धौम्य ऋषि परेशान थे क्योंकि वन के समीप उनका जो खेत था, वहाँ पर कच्ची मेंड बँधी हुई थी। यदि तेज बारिश होती, तो खेत की मेंड़ टूट जाती और पानी के बहाव के साथ पूरे खेत की मिट्टी भी बह जाती।

(ग) आरुणि ने गुरुजी की परेशानी दूर करने के लिए स्वयं जाकर खेत की मेंड़ बाँधकर आने के लिए कहा।

(घ) आरुणि को उसके सहपाठियों ने यह कहकर जाने से रोकने की कोशिश की कि इस समय मत जाओ। रास्ते में हिंसक जानवरों का भय है तथा इस काम में तुम्हारी जान संकट में पड़ सकती है।

(ङ) आरुणि पानी का बहाव रोकने के लिए स्वयं ही मेंड़ के स्थान पर लेट गया।

2. (क) किसने कहा- आरुणि ने कहा किससे कहा- गुरुजी ने कहा

(ख) किसने कहा- सहपाठी ने कहा किससे कहा- आरुणि ने कहा

(ग) किसने कहा- आरुणि ने कहा किससे कहा- सहपाठियों से कहा

(घ) किसने कहा- गुरुजी ने कहा किससे कहा- आरुणि से कहा

3. (क) आश्रम (ख) रौद्र (ग) खेत (घ) मेंड़ (ङ) सेवा

भाषा ज्ञान

5. अलोक - आलौकिक अर्थ - आर्थिक

समाज	- सामाजिक		मनस	-	मानसिक
व्यवहार	- व्यावहारिक		विचार	-	वैचारिक
चरित्र	- चारित्रिक		धर्म	-	धार्मिक

6.

भय	- डर	गुरु	-	शिक्षक
शिष्य	- छात्र	शुरु	-	आरंभ
बारिश	- वर्षा	परेशानी	-	समस्या
चिंता	- फिक्र	जल्दी	-	शीघ्र

रचनात्मक कार्य

पाठ - 17 विकलांग नहीं दिव्यांग

1. (क) करन प्रतिभासंपन्न और विलक्षण बद्धिवाला बालक था। वह पढ़ने-लिखने में तो होशियार था ही, उसका स्वभाव भी बहुत अच्छा था। परंतु वह अपंग था उसके एक पैर में पोलियों हो गया था, जिसके कारण वह लँगड़ाकर चलता था और कक्षा के दूसरे बच्चों से दूर रहता था।

   (ग) गुरु जी ने युवल की प्रशंसा करते हुए कहा कि वह उसकी निस्स्वार्थ सेवा भावना से बहुत प्रसन्न हैं। उसने बहुत ही नेक काम किया है। वह अवश्य ही एक दिन अपने देश का नाम रोशन करेगा।

   (घ) करन परेशान था क्योंकि वह सोच रहा था कि अब वह विद्यालय कैसे जाएगा और कक्षा में कराया गया कार्य कैसे पूरा करेगा। वार्षिक परीक्षा भी आने वाली थी और उसकी पढ़ाई का एक साल व्यर्थ हो जाएगा। उसकी समझ में कुछ नहीं आ रहा था।

   (ङ) युवल ने करन को ढ़ाढ़स बँधाने के लिए उसे कहा कि मुसीबतें तो आती रहती हैं पर हमें परिस्थितियों के आगे हार नहीं माननी चाहिए, बल्कि उनका डटकर सामना करना चाहिए।

   (च) कक्षा का एक-एक साथी रोज आकर करन का कक्षा-कार्य पूरा कराता। इस प्रकार करन की पढ़ाई में कोई बाधा उत्पन्न नहीं हुई। उसने अपनी मेहनत, लगन और साथियों की सहायता से वार्षिक परीक्षा की तैयारी आसानी से पूरी कर ली।

2. (क) गुरु जी ने युवल से कहा।

   (ख) करन ने युवल से कहा।

   (ग) युवल ने करन से कहा।

भाषा ज्ञान

1. (क) वर्तमान काल, (ख) भूतकाल, (ग) भूतकाल,

   (घ) भविष्यत् काल, (ङ) वर्तमान काल

2. (क) बेटी पिता

   गुरुआइन छात्र

   शिक्षिका प्रधानाचार्य

3. (क) हम सब तुम्हारे साथ हैं।

   (ख) तभी उसे रास्ते में भीड़ दिखाई दी।

   (ग) करन बहुत गुमसुम-सा बैठा था।

   (घ) तुम बिलकुल चिंता मत करो।

   (ङ) उसके एक पैर में पोलियो हो गया था।

4. (क) विद्यालय, विद्यार्थी

   (ख) चम्मच, चेहरा,

   (ग) व्यक्ति, व्यापार,

   (घ) नल, नाखून

5. (क) (iii), (ख) (iv), (ग) (i), (घ) (v), (ङ) (ii)

पाठ - 18 मातृभूमि की प्रशंसा

1. (क) हम मातृभूमि की धूल में लोटकर बड़े हुए हैं।

   (ख) बाल्यकाल को परमहंस के समान कहा गया है क्योंकि कवि ने अपने बचपन में मातृभूमि पर रहकर परमहंस की तरह सभी आनंद पाए।

   (ग) कवि धरती के ऋण से मुक्त नहीं हो सकता क्योंकि कवि को सब कुछ इस धरती से ही मिला है। इसी मातृभूमि ने उसे जीवन दिया और उसके सभी सुखों का कारण भी धरती है।

   (घ) पूर्वजों की याद करके कवि कहना चाहता है कि हमारे पूर्वज भी हमें इसी मातृभूमि पर मिले।

2. (क) प्रसंग - कविता की यह पंक्तियाँ हमारी पाठ्य पुस्तक 'मधुलिका' के पाठ - 18 (कविता) 'मातृभूमि की प्रशंसा' से ली गई हैं। कविता में कवि ने मातृभूमि का महत्त्व एवं उसके प्रति अपने प्रगाढ़ प्रेम का भाव चित्रण किया है।

   भावार्थ - इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि कवि ने इसी पुण्य मातृभूमि

में रहकर श्रीरामकृष्ण परमहंस की तरह सब सुखों को बाल्यकाल में ही भोगा है। इसके कारण ही वह धूल भरे हीरे कहलाए।

(ख) प्रसंग – कविता की यह पंक्तियों हमारी पाठ्य पुस्तक 'मधुलिका' के पाठ – 18 (कविता) 'मातृभूमि की प्रशंसा' से ली गई हैं। कविता के कवि ने मातृभूमि का महत्त्व एवं उसके प्रति अपने प्रगाढ़ प्रेम का भाव चित्रण किया है।

भावार्थ – इन पंक्तियों का भावार्थ यह है कि हमारे अंत समय में मृत्यु होने पर हमारा यह निर्जीव शरीर मातृभूमि ही अपनाएगी।

3. 1. हमें दुश्मनों से अपनी मातृभूमि की रक्षा करनी चाहिए।
   2. बाल्यकाल की शरारतें कभी नहीं भुलाई जाती।
   3. पूजा-पाठ करने से मनुष्य भव-बंधन से मुक्त हो जाता है।
   4. हमारे पूर्वज बहुत ज्ञानी थे।
   5. दादा जी ने अपनी सारी अचल संपत्ति बेच दी।

भाषा ज्ञान

1. जातिवाचक संज्ञा – पूर्वज, भगवान,

   भाववाचक संज्ञा – बाल्यकाल, मृत्यु, मोद

पाठ – 19 पुस्तक मेला

1. (क) यह पत्र अध्यापक ने अपने छात्र 'सोम' को लिखा क्योंकि अध्यापक छात्रावास के सभी छात्रों को लेकर पुस्तक मेला दिखाने ले गये थे। सोम उस समय वहाँ नहीं थे। अत: अध्यापक उसे विस्तार से पुस्तक मेला के बारे में बताना चाहते थे।

(ख) यह 'पुस्तक मेला' नई दिल्ली के प्रगति मैदान में प्रति दूसरे वर्ष आयोजित किया जाता है।

(ग) पुस्तक मेला आयोजित करने का उद्देश्य यह है कि इस प्रकार से आयोजित मेलों में एक ही स्थान पर एक साथ विविध प्रकार की साम्रगी उपलब्ध हो जाती है। पाठकों और दर्शकों के साथ-साथ प्रकाशकों को भी लाभ होता है। उनकी पुस्तकों के प्रचार का यह सबसे उपयुक्त साधन है।

(घ) बाल केंद्रित पुस्तक मेला फरवरी के महीने में प्रदर्शित हुआ। इस मेले में 40 देशों के 1200 प्रकाशकों ने भाग लिया। केवल भारत से ही 290 प्रकाशकों ने इसमें भाग लिया था। इस बाल-केंद्रित पुस्तक मेले में बच्चों की रुचियों को ध्यान में रखते हुए अनेक साहित्यिक गतिविधियाँ बच्चों द्वारा आयोजित की गईं थीं। भारत और विदेशों में छप रहे अनेक प्रकार

के बाल साहित्य का एक अलग पेवेलियन था। इस पेवेलियन में बच्चों में अध्ययन के प्रति रूचि बढ़ाने के लिए किताब के लेखकों से भी आमने-सामने वार्तालाप का प्रबंध था। संगीत, कठपुतली के तमाशे, खेल-कूद और उपहारों ने बच्चों का मन मोह लिया।

2. (क) (✓), (ख) (✗), (ग) (✓), (घ) (✓), (ङ) (✓),
   (च) (✗),

3. हम सपरिवार पिकनिक मनाने गए।
   मेरे मामा जी विदेश में रहते हैं।
   सर्कस देखते हुए दर्शक तालियाँ बजा रहे थे।
   प्रगति मैदान में गाड़ियों की प्रदर्शनी लगी।
   मुझे जन्मदिन पर बहुत सारे उपहार मिले।

भाषा ज्ञान

1. (क) भूतकाल, (ख) वर्तमान काल, (ग) भविष्यत् काल,
   (घ) भूतकाल, (ङ) वर्तमान काल, (च) भविष्यत् काल

2. साहित्यिक गतिविधियाँ, तीसरे वर्ष, रंग-बिरंगे उपहार,
   दो सौ प्रकाशक, सच्चा मित्र, अनेक दर्शक,
   मधुर संगीत, प्रसिद्ध लेखक

पाठ - 20 मुकाबला

1. (क) बैजू की माँ ने उसे बताया कि उसके पिता एक संगीतज्ञ थे, जिन्हें तानसेन से गायन में हारने पर मृत्युदंड दिया गया था। यह बात सुनकर बैजू का मन आक्रोश से भर गया।

   (ख) बैजू के गुरु ने उससे गुरुदक्षिणा में वचन माँगा कि वह अपनी संगीत विद्या से कभी किसी का अहित नहीं करेगा।

   (ग) राह चलते लोग बैजू का गायन सुनकर किसी अप्रिय घटना के बारे में सोचकर आशंकित हो उठे थे क्योंकि उनके अनुसार यदि तानसेन जी को बैजू के गाने की भनक लग गई, तो उसे तानसेन से मुकाबला करना होगा। और यदि वह हार गए, तो उसे प्राणों से भी हाथ धोना पड़ सकता है।

   (घ) जब बैजू ने वीणा के तार दुबारा छेड़े और अलाप शुरु किया तो कुछ ही समय बाद हिरन राजमहल में दुबारा आ गए। सभी दरबारी और बादशाह

अकबर बैजू के गायन पर झूमकर वाह! वाह! करने लगे। तब तानसेन ने बैजू से अपनी हार स्वीकार की।

(ङ) बैजू ने गायन मुकाबले में तानसेन को हराकर अपने पिता की मृत्यु का बदला लिया।

2. (क) बैजनाथ मिश्रा, (ख) दस, (ग) गेरुए, (घ) वीणा,
(ङ) अहंकार

भाषा ज्ञान

1. गुरु, शुरु, कृतज्ञ, गाँव, प्रशंसा, गेरुए
2. (क) (बहुत खुश होना) – किशन की बेटी तीन साल बाद अमेरिका से वापिस घर आयी तो वह फूला न समाया।

(ख) (मृत्यु हो जाना) – सड़क पार करते हुए लापरवाही करने से मनुष्य अपने प्राणों से हाथ धो बैठता है।

पाठ - 21 आज़ादी

1. (क) पिंजरे का तोता स्वयं को पिंजरे में सुरक्षित समझता था क्योंकि उसे लगता था कि उसका घर (पिंजरा) मजबूत है।

(ख) जंगली तोते ने उसे अभागा कहा क्योंकि उसके अनुसार पिंजरे के तोते का आज़ादी का रंग मर चुका है। उसकी आँखे अंधी हो गई हैं। वरना वह पिंजरे की प्रशंसा न करता, पिंजरे ने उसके शरीर को ही नहीं, आत्मा को भी कैद कर रखा है।

(ग) पंडित के बेटे ने पिंजरा जमीन पर पटक दिया क्योंकि तोते ने उसकी बात का जवाब नहीं दिया।

(घ) मरे हुए तोते की आत्मा ने यह कहा कि, "इसने तो एक कैदी को छुड़ाया है" क्योंकि उसे पिंजरे से और गुलामी से मुक्ति मिल गई थी।

2. यह पंक्तियाँ जंगली तोते की भावनाओं को प्रकट करती हैं। ये पक्षी स्वतंत्र रहना चाहते हैं क्योंकि, पिंजरे में रहकर वह गुलामी का जीवन जीना पसंद नहीं करते। उन्हें आजाद रहकर खुले गगन में उड़ना पसंद है।

3. जंगल का तोता – तुम्हारी आज़ादी का रंग मर चुका है।, तुम्हारा घर अपना बनाया हुआ नहीं है।

पिंजरे का तोता – मेरा मकान मजबूत है।, मैं यहाँ पूर्णतया सुरक्षित हूँ।

भाषा ज्ञान

1. ''तोते का घर अपना बनाया हुआ नहीं है। न उसके दरवाजे पर उसका अधिकार है। उसने अपना जीना-मरना दूसरों के हाथों में सौंप रखा है। यह उसका दुर्भाग्य नहीं तो और क्या है? वह हर समय अपने मालिक के मुँह की तरफ देखता है, और वही करता है जो उसका मालिक चाहे।''

2.

सुरक्षित	अंधकार
परतंत्रता	मरना
प्रशंसा	मालिक
दुर्भाग्य	उत्तर

3.

सूरत - चेहरा, शक्ल	1. माँ की सूरत पर उदासी थी।
शहर का नाम	2. हम सूरत से बहुत-से कपड़े खरीदकर लाए
उत्तर - जवाब	1. मैंने प्रश्न-पत्र के सभी प्रश्नों के उत्तर लिखे।
एक दिशा	2. मेरा विद्यालय उत्तर दिशा की ओर है।
मन - नाप-तौल	1. पिताजी गाँव से कई मन गेहूँ ले आये।
दिल	2. मेरा मन घूमने जाने का है।
कर - हाथ	1. आपके करों से यह शुभ काम होना चाहिए।
करना	2. आज ही यह काम खत्म करना चाहिए।